दैनिक घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 123- बुधवार 04- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

शुभकामनायें

दैनिक अखबार घटती-घटना के सुधि पाठकों,विज्ञापनदाताओं,शुभचिन्तकों एवं देश व प्रदेश वासियों को राष्ट्रीय पर्व होली के अवसर पर ढेर सारी शुभकामनायें एवं हार्दिक बधाई...

संपादक

आइए,बुराई पर अच्छाई की जीत और वसंत ऋतु के आगमन का पूरे दिल से और रंग-बिरंगे हाथों से जश्न मनाएं।

अवकाश सूचना

राष्ट्रीय पर्व होली उत्सव के उपलक्ष्य में घटती-घटना कार्यालय में 4 व 5 मार्च 2026 को अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक 7 मार्च दिन शनिवार 2026 को प्रकाशित होगा।

व्यवस्थापक

पोस्ट-बजट वेबिनार.....गुणवत्ता से समझौता नहीं

वैश्विक मानकों से आगे बढ़ें भारतीय उत्पाद : पीएम मोदी

नई दिल्ली,03 मार्च 2026। प्रधानमंत्री मोदी ने 'आर्थिक विकास को सतत बनाए रखना और उसे मजबूत करना' विषय पर आयोजित पोस्ट-बजट वेबिनार को मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए उम्मीद की किरण बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत को मिले वैश्विक अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता न केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होनी चाहिए, बल्कि उनसे बेहतर भी होनी चाहिए। गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

आपूर्ति श्रृंखला को लेकर बोले पीएम?

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं,ऐसे समय में भारत की तेज आर्थिक प्रगति विकसित भारत के लक्ष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश की दिशा और संकल्प दोनों स्पष्ट हैं। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने ज्यादा निर्माण,ज्यादा उत्पादन,ज्यादा कनेक्टिविटी और ज्यादा निर्यात की रणनीति अपनाने का आह्वान किया।

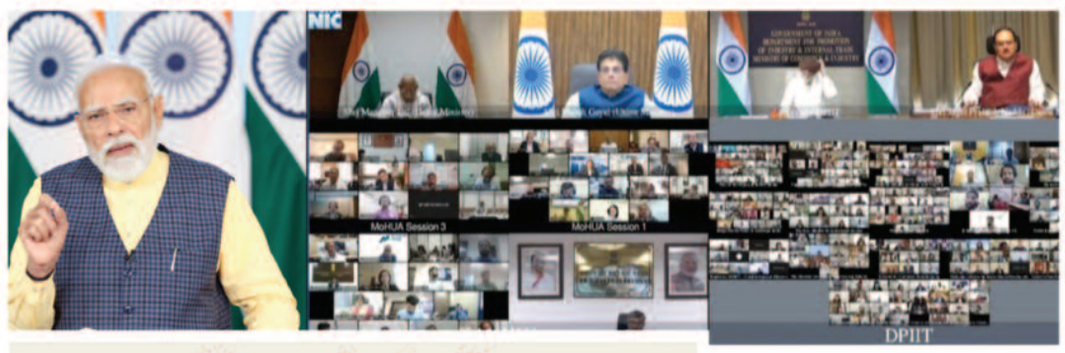

उत्पादों की गुणवत्ता से समझौता न किया जाए

वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में बड़े निवेश और वैश्विक मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिससे अवसरों का बड़ा दायरा खुला है। ऐसे में उत्पादों की गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर किसी एक क्षेत्र पर अधिकतम ऊर्जा, बुद्धिमत्ता और संसाधन केंद्रित करने हैं, तो वह गुणवत्ता होनी चाहिए। भारतीय उत्पाद न केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरें, बल्कि उन्हें पीछे भी छोड़ें।

पीएम ने उद्योग जगत से क्या कहा?

उन्होंने उद्योग जगत से अपील की कि वे अन्य देशों की जरूरतों और वहां के उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं का गहन अध्ययन करें। उन आवश्यकताओं को समझकर उपयोगकर्ता-अनुकूल उत्पाद विकसित किए जाएं, तभी मुक्त व्यापार समझौतों से मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों के साथ विकास का राजमार्ग तैयार है और अब भारतीय उद्योग को इस पर तेज गति से आगे बढ़ना है।

मोदी ने सस्टेनेबिलिटी अपनाने पर क्यों दिया जोर?

प्रधानमंत्री ने कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ा परिवर्तन हो रहा है और अब बाजार केवल लागत नहीं, बल्कि सस्टेनेबिलिटी को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'कार्बन कैप्चर, यूटिलाइजेशन और स्टोरेज मिशन' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से अपील की कि वे सस्टेनेबिलिटी को अपनी मूल व्यावसायिक रणनीति का हिस्सा बनाएं। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि जो उद्योग समय रहते स्वच्छ तकनीक में निवेश करेंगे, वे आने वाले वर्षों में नए वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट ने इस दिशा में नई राह दिखाई है और उद्योग, निवेशक व विभिन्न संस्थानों को मिलकर इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य करना चाहिए।

दुबई से एयर इंडिया की पहली फ्लाइट पहुंची दिल्ली,149 फंसे हुए यात्री घर लौटे

नई दिल्ली,03 मार्च 2026। पश्चिम एशिया संकट के बीच एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में फंसे भारतीयों की मदद के लिए अपनी उड़ानें आंशिक रूप से शुरू कीं है। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया से मंगलवार को स्पेशल ऑपरेशन के तहत दुबई में फंसे 149 यात्रियों को वापस लाया गया है। एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई 916डी) मंगलवार सुबह 10:58 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर पहुंची। पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट के दौरान पैसेंजर को वापस लाने के लिए किसी इंडियन एयरलाइन की यह पहली फ्लाइट है, जिसमें 149 यात्री और 8 ऑपरेटिंग क्रू मेंबर सवार हैं। एयरलाइन के मुताबिक वीटी-ईडीसी रजिस्ट्रेशन वाले यह यात्री इलाके के मौजूदा हालात की वजह से दुबई में फंसे हुए थे। दिल्ली एयरपोर्ट पर आई एयर इंडिया की इस उड़ान में सवार एक यात्री ने बताया कि वहां हालात काफी सामान्य हैं,बहुत अधिक तनाव की स्थिति नहीं है, लेकिन फ्लाइट रद्द होने और बाकी सब चीजों की वजह से लोगों पर आर्थिक असर पड़ रहा है। वहां रहना बहुत महंगा है।

बेंगलुरु में 8,335 एलएसडी स्ट्रिप्स समेत 10 करोड़ की ड्रग्स जब्त,केरल के दो तस्कर गिरफ्तार

बेंगलुरु, 03 मार्च 2026। शहर में बढ़ती ड्रग्स तस्करी पर शिकंजा कसते हुए बेंगलुरु सिटी पुलिस और सीसीबी नारकोटिक्स विंग ने मंगलवार को संयुक्त कार्रवाई में करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। इस मामले में केरल मूल के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि बागलूर रोड स्थित प्रेस्टीज फिन्सबरी पार्क अपार्टमेंट के एक फ्लैट पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान एलएसडी, हाइड्रो गांजा और चरस बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अश्विन (27) और मोबिना (25) के रूप में हुई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपित थाईलैंड निवासी विन्सेंट नामक व्यक्ति से हवाई मार्ग के जरिए ड्रग्स मंगवाते थे।

होली मनाने जा रहे पति-पत्नी समेत 6 की मौत

यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस-कार की टक्कर,उछलकर 10 फीट दूर गिरी गाड़ी

हाथरस,03 मार्च 2026। यूपी के हाथरस में यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के डबल डेकर बस ने चलती ईको वैन को पीछे टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी समेत 6 लोगों की मौत हो गई, 7 लोग घायल हो गए। मृतकों में 3 आगरा और 3 राजस्थान के धौलपुर के रहने वाले थे। होली के लिए घर जा रहे थे। बस दिल्ली से गोरखपुर, जबकि वैन दिल्ली से धौलपुर जा रही थी। ओवरटेक करने की कोशिश करते वक्त टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन उछलकर 10 फीट दूर गिरी। उसका पिछला हिस्सा चकनाचूर हो गया। गनीमत रही कि बस सवार यात्रियों को चोट नहीं आई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। सड़क पर लाशें बिछ गईं। एक्सप्रेस-वे पर जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस अफसर पहुंचे। घायलों को तत्काल खंदौली सीएचसी भिजवाया। जहां से तीन को आगरा रेफर कर दिया। हादसा सादाबाद कोतवाली क्षेत्र में हुआ।

ईको वैन से राजस्थान के राजाखेड़ा जा रहे थे 13 लोग : हाथरस में यमुना एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 141 पर निजी डबल डेकर बस गोरखपुर की तरफ जा रही थी। बस के आगे ईको वैन चल रही थी। वैन में 13 लोग सवार थे। सभी होली के त्योहार के लिए अपने-अपने घर जा रहे थे। तड़के 4.15 बजे तेज रफ्तार बस ने वैन को ओवरटेक करने की कोशिश की और बेकाबू होकर वैन को पीछे से टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान विजय (27) पुत्र सुखराम बघेल, पत्नी पिंकी (26) निवासी सुडरई थाना शमशाबाद (आगरा) और नाथू देवी (35) पत्नी अमर सिंह निवासी रोई खास थाना शमशाबाद (आगरा) के रूप में हुई। हादसे में दिनेश (55) पुत्र हुकम सिंह, पत्नी सुनीता (51) निवासी गंगोलियापुर थाना राजाखेड़ा, धौलपुर (राजस्थान) और लोकेश (35) पुत्र भूरी सिंह निवासी चमोली घर थाना राजाखेड़ा धौलपुर (राजस्थान) की भी मौत हो गई। हादसे में इको चालक वीरेंद्र पुत्र रामप्रकाश भी घायल है। इसके अलावा राजाखेड़ा के ही मनोज पुत्र सुरेश, आर्यन (8)-अंशु (6) पुत्र अजय, मृतक विजय का बेटा लक्ष्य (1), बेटी प्राची (3) और उनकी साली पूनम बघेल (15) घायल हैं।

पश्चिम एशिया तनाव पर बोले राहुल-शांति का रास्ता संवाद व संयम से ही निकलेगा

नई दिल्ली,03 मार्च 2026। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका,इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए कहा कि यह हालात पूरे क्षेत्र को बड़े संघर्ष की ओर धकेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तनाव से करोड़ों लोग,जिनमें लगभग एक करोड़ भारतीय भी हैं, असुरक्षा और अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और गहरा करेंगे। उन्होंने अमेरिका-इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों और ईरान द्वारा अन्य मध्य-पूर्वी देशों पर किए गए हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि हिंसा से केवल हिंसा ही जन्म लेती है और शांति का रास्ता संवाद और संयम से ही निकल सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत को नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून तथा मानव जीवन की रक्षा के लिए साफ-साफ बोलने का साहस दिखाना चाहिए। भारत की विदेश नीति संप्रभुता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है और इसे लगातार उसी दिशा में रहना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि इस समय की चुप्पी भारत की वैश्विक साख को कमजोर कर रही है।

फोन टैपिंग के आरोपों पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का पलटवार,बोले-'हमारे रिश्ते दूध-शहद जैसे'

बेंगलुरु, 03 मार्च 2026। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार पर नजर रखने के लिए फोन टैपिंग कराए जाने के विपक्ष के आरोपों पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पलटवार किया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी की ओर से लगाए गए आरोपों को उन्होंने 'चोर की दाढ़ी में तिनका' कहावत से जोड़ते हुए हताशा भरा बयान बताया। अपने जारी बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद से ही उनके और डी.के. शिवकुमार के संबंधों में दरार डालने की लगातार कोशिश की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'हम दोनों के संबंध दूध-शहद जैसे हैं। झूठी खबरों से हमारे रिश्ते पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 'मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोप लगाने वाले नेता अपने कार्यकाल में गृह विभाग और खुफिया विभाग संभाल चुके हैं,इसलिए उनके अनुभव के आधार पर ही ऐसे आरोप लगाए जा रहे प्रतीत होते हैं। उन्होंने कहा,'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र है। यह न तो भारतीय जनता पार्टी की तरह है, जहां प्रधानमंत्री के सामने बोलने में हिचक होती है और न ही जनता दल (सेक्युलर) की तरह,जहां एक परिवार का वर्चस्व है।

खामेनेई की हत्या पर भारत की चुप्पी से हैरानी...यह न्यूट्रल रहना नहीं जिम्मेदारी से पीछे हटना,यह पीएम की ईरान पर हमले की अनदेखी : सोनिया

नई दिल्ली,03 मार्च 2026। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- दिल्ली की चुप्पी हैरान करने वाली है, यह तटस्थता (न्यूट्रल) नहीं,बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। मंगलवार को इंडियन एक्सप्रेस में पब्लिश आर्टिकल में उन्होंने लिखा- 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजराइल के टारगेटेड अटैक में हत्या कर दी गई। जब दो देशों की डिप्लोमैट लेवल की बातचीत चल रही हो,तब एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार को दिखाती है। सोनिया ने लिखा कि भारत सरकार ने न तो हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। मोदी ने अमेरिका-इजराइल के हमले को अनदेखा किया,केवल यूएई पर ईरान की जवाबी कार्रवाई की निंदा की। बाद में पीएम ने 'गहरी चिंता' और 'बातचीत व कूटनीति' की बात कही। जबकि हमला उस समय हुआ, जब दो देशों के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया जारी थी। सोनिया गांधी ने कहा...यह हत्या बिना किसी औपचारिक युद्ध की घोषणा और उस समय की गई, जब बातचीत की प्रक्रिया चल रही थी। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के मुताबिक, किसी भी देश की सीमाओं या उसकी राजनीतिक आजादी के खिलाफ बल प्रयोग या धमकी देना गलत है। किसी मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की टारगेट किलिंग इन नियमों के खिलाफ है। अगर दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी इस पर आवाज नहीं उठाता तो अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ सकते हैं। हत्या से सिर्फ 48 घंटे पहले प्रधानमंत्री इजराइल यात्रा से लौटे थे। वहां उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू सरकार के समर्थन की बात दोहराई। यह उस समय हुआ,जब गाजा संघर्ष में बड़ी संख्या में आम नागरिक,जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं,मारे जाने पर दुनियाभर में नाराजगी है। ग्लोबल साउथ के कई देशों और ब्रिक्स के साझेदार रूस व चीन ने इस मामले में दूरी बनाए रखी है। ऐसे समय में भारत का खुला समर्थन, बिना साफ नैतिक रुख के, गलत संदेश दे सकता है।

देश में सबसे पहले महाकालेश्वर मंदिर में खेली गई होली...भस्म आरती में उड़ा हर्बल गुलाल

उज्जैन,03 मार्च 2026। देशभर में सबसे पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर में होली का पर्व पारंपरिक उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। मंगलवार तड़के भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल को हर्बल गुलाल अर्पित कर होली पर्व की शुरुआत की गई। दरअसल, देश में सभी त्यौहार सबसे पहले महाकालेश्वर मंदिर में मनाए जाते हैं। वर्षों से चली आ रही इसी परम्परा के तहत 4 बजे भस्म आरती के दौरान ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के साथ पुजारी-पुरोहितों ने हर्बल गुलाल से होली खेली। भगवान शिव के परिवार माता पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय को भी गुलाल अर्पित किया गया। शासकीय पुजारी पंडित घनश्याम शर्मा ने बताया कि भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का हरि ओम जल से अभिषेक करने के बाद दूध,दही,घी,शकर, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। नंदी जी का स्नान, ध्यान और पूजन हुआ। भगवान महाकाल ने शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाला, रुद्राक्ष की माला व सुगंधित पुष्पों से बनी माला धारण की। भांग,फल और मिठाई का भोग लगाया गया। हालांकि,सुरक्षा कारणों से मंदिर समिति ने इस बार श्रद्धालुओं को गुलाल ले जाने की अनुमति नहीं दी,जिसके चलते इस बार पिछले साल जैसी रंगत देखने को नहीं मिली,लेकिन भक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं रही। भक्तों ने प्रहलाद की भक्ति और होलिका के अंत की कथा को याद करते हुए सत्य की विजय का संदेश लिया। बाबा महाकाल की आरती के साथ होली का रंग भक्तों के मन में बसा रहा। पुजारी पंडित घनश्याम शर्मा ने बताया कि धुलेंडी पर्व पर चंद्र ग्रहण होने के कारण महाकाल मंदिर में भस्म आरती से लेकर शाम को ग्रहण समाप्त होने तक पट बंद नहीं किए जाएंगे। इस दौरान श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि शाम 6:32 से 6:46 बजे तक रहने वाले 14 मिनट के इस ग्रहण का वेध काल सूर्योदय से ही प्रारंभ हो जाएगा। वेध काल के कारण सुबह की दद्योदक और भोग आरती में भगवान को केवल शकर का भोग अर्पित किया जाएगा। चंद्र ग्रहण को लेकर मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने बताया कि भगवान महाकाल कालों के काल कहलाते हैं। दक्षिण दिशा काल की मानी जाती है और महाकाल का मुख दक्षिण की ओर है, इसलिए वे काल पर नियंत्रण रखते हैं। इस कारण कोई भी ग्रह, नक्षत्र या ग्रहण महाकाल को प्रभावित नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि ग्रहण के दिन मंदिर की व्यवस्थाएं सामान्य दिनों की तरह रहेंगी, लेकिन ग्रहण के चलते न पुजारी और न ही श्रद्धालु भगवान को स्पर्श करेंगे। इस दौरान गर्भगृह में पुजारी मंत्रोच्चार करेंगे। ग्रहण समाप्त होने के बाद पुजारी स्नान कर मंदिर का शुद्धिकरण करेंगे,फिर भगवान का जलाभिषेक किया जाएगा। इधर, चंद्र ग्रहण होने की वजह से कई स्थानों पर धुलेंडी पर्व मनाने को लेकर असमंजस की स्थिति है,लेकिन उज्जैन, हरदा, शाजापुर, सीहोर, बड़वानी सहित कई जिलों में आज ही होली खेली जा रही है। शुजालपुर में होली पर निधन वाले परिवार में रंग डालने की परंपरा का निर्वाह कर संवेदना व्यक्त करने लोग बड़ी संख्या में एक साथ निकले।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने भी कार्यकर्ताओं के साथ नगर में रंग गुलाल उड़ाकर होली का पर्व मनाया। चौराहों, गलियों में बच्चों में भी होली का उत्साह देखने को मिल रहा है।

बिहार से नितिन नवीन जाएंगे राज्यसभा भाजपा ने जारी की नौ उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली,03 मार्च 2026। भाजपा ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को बिहार से राज्यसभा का उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इसके बाद उनकी आवाज संसद से पूरे देश में सुनी जाएगी। अब तक वे बिहार विधानसभा के सदस्य हैं और पटना की बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हाल ही में आयोजित बजट सत्र में भी उन्होंने हिस्सा लिया था। वे बिहार की नीतीश कुमार सरकार में मंत्री भी थे,लेकिन पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने के एक दिन बाद ही उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसे उनका पार्टी में कद बढ़ाने की कोशिश माना जा रहा है। नितिन नवीन के अलावा शिवेश कुमार को भी बिहार से राज्यसभा भेजने का निर्णय किया गया है। पार्टी में सीटों का जो गणित है, उसके अनुसार इन नेताओं का चुना जाना तय है।

भाजपा ने पहली सूची की जारी

भाजपा ने मंगलवार को राज्यसभा की नौ सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। इसमें बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल से पार्टी के दिग्गज नेता राजीव सिन्हा को राज्यसभा में भेजने का निर्णय लिया गया है। वे इस समय पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी के सबसे बड़े चेहरों के तौर पर मैदान में हैं और जमकर पार्टी का प्रचार कर रहे हैं। असम से तेराश गोवाला और जोगेन मोहन को और छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया गया है। हरियाणा से संजय भाटिया को मैदान में उतारा गया है। ओडिशा से मनमोहन सामल और सुजीत कुमार को राज्यसभा भेजने की तैयारी है।

लगातार अपना कद बढ़ा रहे नितिन नवीन

भाजपा ने जिस समय नितिन नवीन का नाम पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर आगे बढ़ाया था, लोग चौंक से गए थे। तब तक उनकी पहचान बिहार के एक क्षेत्र तक सीमित थी। लेकिन नितिन नवीन लगातार अपना कद बढ़ा रहे हैं। भाजपा के दिग्गज नेताओं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा,राजनाथ सिंह के बीच वे धीरे-धीरे अपनी राष्ट्रीय पहचान बनाने में सफल होते दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल के कूचा बिहार से उन्होंने पार्टी का प्रचार अभियान शुरू किया था।

संपादकीय

भीतर की चेतना को रंगते हैं बाहरी रंग

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से होली आज की भागदौड़ और दबाव भरी जीवनशैली में एक सशक्त तनाव-नाशक उत्सव है। रंगों के साथ खुलकर हंसने,नाचने और गले मिलने से तनाव और अकेलेपन की भावना कम होती है...

भारत उत्सवों की भूमि है,तीज-त्योहारों की पावन धरा है। किसी समाज में पर्वों की निरंतरता उसकी सांस्कृतिक समृद्धि और सामूहिक उल्लास का संकेत मानी जाती है। होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारत की धड़कनों में गूंजता समरसता का संगीत है। फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन और फिर धुलेंडी पर रंगोत्सव रंगों का एक ऐसा संवाद है, जिसमें अतीत की राख से भविष्य के रंग जन्म लेते हैं। होली का दार्शनिक आधार भारतीय चेतना की गहराइयों में निहित है। प्रह्लाद की अटूट श्रद्धा और होलिका के दहन की कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले सत्य और असत्य के संघर्ष का रूपक है।

जब हिरण्यकश्यप का अहंकार अग्नि में भस्म होता है,तब यह केवल एक पात्र का अंत नहीं,बल्कि अन्याय,दंभ और विभाजनकारी मानसिकता का अंत है। जब तक हमारे भीतर की असमानता नहीं जलेगी,तब तक बाहर की समरसता अधूरी रहेगी और फिर रंगोत्सव के दिन जब रंग चेहरे पर लगते हैं,तब असर मन पर होता है। उस क्षण न कोई ऊंच-नीच का प्रश्न रह जाता है,न अमीर-गरीब का अंतर। रंग सबको एक-सा बना देते हैं-एक ही हंसी,एक ही उमंग, एक ही स्पर्श। यह बताता है कि विविधता विरोध नहीं, सौंदर्य है। जैसे अनेक रंग मिलकर इंद्रधनुष रचते हैं,वैसे ही विभिन्न समुदाय मिलकर राष्ट्र के आत्मा को पूर्ण बनाते हैं।

भारत के कोने-कोने में होली के रूप भिन्न हैं,पर भाव एक है। ब्रज मंडल में होली वसंत पंचमी से शुरू होकर रंगभरनी एकादशी के बाद चरम पर पहुंचती है। लड्डूमार से लट्ठमार तक अनोखे उत्सव मनते हैं और देश-विदेश से लोग ब्रज पहुंचते हैं। बरसाने की लट्ठमार होली में हंसी सचमुच हवा में घुली रहती है। गलियों में उड़ता गुलाल,छतों पर खिलखिलाहट और चौक की ठिठोली से पूरा ब्रज मुस्कुराता दिखता है। सजी महिलाएं लाठियां थामे बढ़ती हैं,पुरुष ढाल संभाले शरारती अंदाज में बचते हैं। यह सब प्रेम की मीठी नोक-झोंक का उत्सव है।

इस हंसी-ठिठोली के बीच परंपरा केवल निभाई नहीं जाती,बल्कि उल्लास के साथ जी जाती है। ऊपर से दृश्य चंचल दिखता है,पर भीतर गहरी सांस्कृतिक स्मृति धड़कती है। यह राधा-कृष्ण की आनंदमयी लीलाओं का स्मरण कराती है, जहां रूठना-मनाना भी प्रेम का ही एक रंग है। यहां स्त्री उत्सव की केंद्र-बिंदु बनकर उभरती है, उसकी सक्रियता शक्ति और स्नेह के सुंदर संतुलन का प्रतीक बनती है। एक ऐसा संतुलन,जिसमें हास्य भी है,सम्मान भी और अपनापन भी। वहीं वृंदावन की फूलों की होली में जब रंगों के स्थान पर पुष्प बरसते हैं तो वातावरण मानो सुगंधित भक्ति से भर उठता है। ब्रज की होली वस्तुतः अद्वैत का उत्सव है, जहां बाहरी रंग भीतर की चेतना को रंग देते हैं।

होली के पकवान भी जैसे समरसता का स्वाद हैं। गुजिया की मिठास,दही-बड़े की कोमलता,मालपुए की सुगंध और ठंडाई की शीतलता केवल व्यंजन नहीं, बल्कि साझा संस्कृति की थाली हैं। इस पर्व की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि यह सामाजिक दीवारों को नरम कर देता है और हमें याद दिलाता है कि यदि एक दिन के लिए हम भेद भूल सकते हैं तो सदा के लिए क्यों नहीं? रंग केवल बाहरी पदार्थ नहीं,बल्कि भावनाओं के प्रतीक हैं। लाल प्रेम का,पीला आशा का, हरा नवजीवन का,नीला विश्वास का। वे हमें सिखाते हैं कि जीवन श्वेत-श्याम नहीं, उसमें अनेक स्वर और छायाएं हैं। यदि हम केवल अपने ही रंग को सर्वोच्च मानेंगे तो संघर्ष जन्म लेगा,पर यदि हम सब रंगों को स्वीकार करेंगे तो एक अद्भुत चित्र बनेगा-समरसता का चित्र। आज जब समाज भिन्न विचारों और पहचानों से बंटता जा रहा है,तब होली का उत्सव हमें संदेश देता है-मतभेद छोड़ो,मनभेद छोड़ो,क्षमा करो,गले मिलो। यह पुनर्मिलन का संस्कार है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से होली आज की भागदौड़ और दबाव भरी जीवनशैली में एक सशक्त तनाव-नाशक उत्सव है। रंगों के साथ खुलकर हंसने, नाचने और गले मिलने से तनाव और अकेलेपन की भावना कम होती है। यह पर्व दबे हुए भावों को सहज वातावरण में व्यक्त करने का अवसर देता है। गिले-शिकवे भूलकर मेल-मिलाप करना मानसिक बोझ हल्का करता है और संबंधों में नई ऊष्मा भरता है। सामूहिक उल्लास व्यक्ति को 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाता है। डिजिटल युग में,जहां संबंध स्क्रीन की रोशनी में सिमटते जा रहे हैं, होली वास्तविक स्पर्श का महत्व पुनः स्थापित करती है।

जेन-जी के लिए यह केवल इंस्टाग्राम की रील या रंगीन सेल्फी का अवसर नहीं, बल्कि वास्तविक संवाद का उत्सव है। यह पीढ़ी विविधता, समावेशिता और समानता की बात करती है। होली उन्हें इन मूल्यों को जीने का अवसर देती है। जब वे पर्यावरण अनुकूल रंग चुनते हैं,सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के साथ खुलकर मिलते हैं,तब वे समरसता को केवल शब्द नहीं,कर्म बना देते हैं। इस प्रकार होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि मानसिक ताजगी,भावनात्मक संतुलन और सामाजिक जुड़ाव का प्रभावी माध्यम है। यह मृदुता,सहजता और अपनत्व का वह त्रिवेणी पर्व है, जो मन के मैल को प्रेम की वर्षा में बहा देता है। 'होली है...' कहकर हम विविध रंगों में एक चेतना का उत्सव मनाते हैं और समरसता को जीते हैं।

इन्द्रधनुषी रंगो और उमंगों का पर्व है होली

लाल बिहारी लाल
नई दिल्ली

भारत में फागुन महीने के पूर्णिमा या पूर्णमासी के दिन हर्षोउल्लास के साथ मनाये जाने वाला विविध रंगों से भरा हुआ हिदुओं का एक प्रमुख त्योहार है-होली।

होली का वृहद मायने ही पवित्र है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार फागुन माह के पूर्णिमा के दिन ही भगवान कृष्ण बाल्य काल में राक्षसणी पुतना का बध किया था । इस प्रकार बुराई पर अच्छाई की जीत हुई थी तभी से इसे होली के रुप में मनाया जाता है। एक अन्य पौराणिक कथा जो शिव एवं पार्वती से जुड़ा हुआ है। हिमालय पुत्री पार्वती शिव से विवाह करना चाहती थी पर शिव जी तपस्या मैं लीन थे तब उन्होनें भगवान कामदेव की सहायता से भगवान शिव की तपस्या भंग करवाई । इससे शिवजी क्रोधित हो गये और अपना तीसरे नेत्र खोल दिये जिससे क्रोध की ज्वाला में कामदेव भष्म हो गये। शिव जी ने पार्वती को देखा और पार्वती की आराधना सफल हुई और भगवान शिव पार्वती को अपनी अर्धांगिनी के रुप में स्वीकार कर लिया इस प्रकार होली की अग्नी में वासनात्मक आकर्षण को प्रतीकात्मक रुप से जलाकर सच्चे प्रेम का विजय का उत्सव मनाया जाता है। यह पर्व खुशी और सौभाग्य का उत्सव है जो सभी के जीवन में वास्तविक रंग और आनंद लाता है। रंगों के माध्यम से सभी के बीच की दूरियाँ मिट जाती है। इस महत्वपूर्ण उत्सव को मनाने के पीछे प्रह्लाद और उसकी बुआ होलिका से संबंधित एक पौराणिक कहानी है,जो काफी लोकप्रिय है। काफी समय पहले एक असुर राजा था-हिरण्यकश्यप। वो प्रह्लाद का पिता और होलिका का भाई था। तप के बल पर उसने ब्रम्हा जी से कठिन मौत का बरदान मांग लिया था जिसके तहत उसे ये वरदान मिला था कि उसे कोई इंसान या जानवर मार नहीं सकता,ना ही किसी अस्त्र या शस्त्र से, न घर के बाहर न अंदर,न दिन न रात में। इस तरह असीम शक्ति और कठीन मौत की वजह से हिरण्यकश्यप घमंडी हो गया था और भगवान को मानने के बजाए खुद को भगवान समझता था साथ ही अपने पुत्र सहित सभी को अपनी पूजा करने का निर्देश देता था। क्योंकि हर तरफ उसका खौफ था, इससे सभी उसकी पूजा करने लगे सिवाय प्रह्लाद के क्योंकि वो भगवान विष्णु का भक्त था। पुत्र प्रह्लाद के इस बर्ताव से चिढ़ कर हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन के साथ मिलकर उसे मारने की योजना बनायी। उसने अपनी बहन होलिका को प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर आग में बैठने का आदेश दिया। आग से न जलने का वरदान पाने वाली होलिका भी आग की लपटो में भस्म हो गई वहीं दूसरी ओर भक्त प्रह्लाद को अग्नि देव ने छुआ तक नहीं। उसी समय से हिन्दु धर्म के लोगों द्वारा होलिका के नाम पर होली उत्सव की शुरुआत हुई। इसे हम सभी बुराई पर अच्छाई की जीत के रुप में भी देखते है। रंग-बिरंगी होली के एक दिन पहले लोग लकड़ी, घास-फूस, और गाय के गोबर के ढ़ेर में अपनी सारी बुराईयों को होलिका दहन के रुप में एक साथ जलाकर खाक कर देते है। और सामाजिक भाईचारे को बढ़ावा देते है।

इस दिन सभी इस उत्सव को गीत-संगीत,खुशबूदार पकवानों और रंगों में सराबोर होकर मनाते है। आजकल रंगो के साथ-साथ गुलालों का भी प्रयोग दोपहर के बाद खूब होने लगा है। होली के दिन सरकारी छुट्टी होने के कारण लोग इस खास पर्व को एक-दूसरे के साथ मना सके। तभी तो लाल कला मंच के सचिव एवं दिल्ली रत्न लाल बिहारी लाल का कहना है कि सामाजिक भाईचारे का अजब मिसाल है होली जैसी सारी दुनिया में इस तरह के अनोखा पर्व कोई और नहीं है। जो सभी वैर भाव छोड़ कर एक साथ इस इन्द्र धनुषी रंगो एवं उमंगों के पर्व को एक साथ मनाते हैं।

होली,परंपरा का अमर रंग या समय की बदलती छटा?

प्राचीन भारतीय परिवेश,होली का उद्गम और आध्यात्मिक सार...

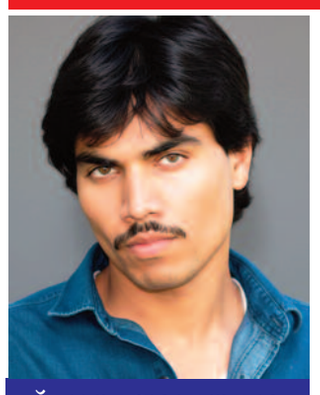

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्य प्रदेश

भारतीय संस्कृति में होली का जिक्र वेदों से मिलता है। ऋग्वेद में फाल्गुनी पूर्णिमा का उल्लेख है,जो वसंत का स्वागत करती थी। पुराणों में प्रह्लाद-होलिका की कथा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बनी। ब्रज की होली में राधा-कृष्ण की लीला भक्ति का आह्वान करती–लठमार होली,फूलों वाली होली। पोंगल से जुड़ी रंगारंग परंपराएं। गांवों में यह सामुदायिक उत्सव होता था, महिलाएं गीत गातीं,पुरुष ढोल बजाते, और सभी वर्ण-जाति भूलकर रंग लगाते। फागुन का गुलाल प्राकृतिक,टेसू के फूल, हल्दी-अबीर से बना। अपनापन ऐसा कि दुश्मनी मिट जाती, मेल-मिलाप नया जीवन देता। समय का चक्र रुकता,बस प्रेम और क्षमा बहती। मध्यकालीन भारत,भक्ति और लोक संस्कृति का संगम मुगल काल में होली सूफी-संत परंपरा से रंगी। अमीर खुसरो ने फाग गीत रचे,तानसेन ने होली को रंगों में बहाया। राजस्थान की धुलंडी, बुंदेलखंड की फागुहा–ये क्षेत्रीय विविधताएं भारतीय परिवेश की समृद्धि दर्शातीं। बंगाल में होली यात्रा,महाराष्ट्र में रंगपंचमी। यह त्योहार सामाजिक समरसता का प्रतीक था, राजा-प्रजा एक हो जाते। तब होली पर्यावरण अनुकूल थी,जल की बर्बादी नहीं,रासायनिक रंगों का नामोनिशान नहीं। परिवार केंद्रित, जहां दादा-दादी की कहानियां नई पीढ़ी को संस्कार देतीं।

चीनी-सीसे युक्त,त्वचा रोग पैदा करने वाले। पानी की होली में करोड़ों लीटर पानी बर्बाद,जबकि जल संकट सामने दिख रहा है। सोशल मीडिया ने अपनापन चुराया इंस्टाग्राम रील्स पर होली, लेकिन पड़ोसी से दूरी। महानगरों में पार्टीज,क्लब होली,गांवों में भी डीजे ने ढोल को हाशिए पर धकेल दिया। कोविड जैसे संकटों ने वर्चुअल होली लाई,जो सुविधाजनक लेकिन भावहीन। छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में स्थानीय स्वाद बचा है,रायपुर-भिलाई में फागुनोत्सव, बस्तर की आदिवासी होली में मंडला नृत्य। लेकिन यहां भी प्लास्टिक गुलाल और शराबी उन्माद बढ़ा। आंकड़े बताते हैं,पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, होली पर 20 प्रतिशत प्रदूषण बढ़ता है। अपनापन घटा क्योंकि संयुक्त परिवार टूटे,माइग्रेशन बढ़ा। क्यों बदले हालात? कारण और चुनौतियां शहरीकरण, 40 प्रतिशत आबादी शहरों में, जगह कम, रिश्ते औपचारिक। वैश्वीकरण,वेस्टर्न पार्टी कल्चर घुसा,परंपरा पीछे।पर्यावरण संकट,जल-वायु परिवर्तन ने प्राकृतिक रंग सीमित किए।आर्थिक दबाव, महंगाई ने सादगी छीनी, लग्जरी होली लाई।तकनीकी प्रभाव स्क्रीन टाइम बढ़ा, आमने-सामने कम। फिर भी,सका रात्मक बदलाव हैं। ग्रीन होली अभियान आयुष मंत्रालय योग-सहित होली प्रोत्साहित कर रहा। युवा आर्गेनिक रंग बना रहे, एनजीओ जल संरक्षण सिखा रहे। परंपरा को नया जीवन दें ,होली अभी भी भारतीय आत्मा है, बस रूप बदल गया। हमें चाहिए संतुलन ,प्राकृतिक रंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और अपनापन। स्थानीय परंपराओं को जागृत करें। तभी फागुन का गुलाल फिर प्रेम की वर्षा करेगा। आइए, होली को समय के साथ ढालें, न कि खो दें। जय हो!

भारतीय संस्कृति से जोड़ा होली का त्यौहार

केशी गुप्ता
द्वारका,नई दिल्ली

भारत अपनी संस्कृति और इस से जोड़े त्योहारों से अपनी एक अलग पहचान बनाता है। हमारे यहां हर मौसम से जोड़े त्यौहार मनाएं जाते हैं। जो ऋतुओं के आगमन और बदलाव का संकेत होते हैं । होली भी उन में से एक है । जो सर्द ऋतु के खत्म होने और फागुन के शुरू होने का संदेश देती है । होली का त्यौहार फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष नवमी को देश भर में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। यूं तो होली रंगो का त्यौहार है । जो देश भर मे अलग अलग तरीके से मनाई जाती है। जिसमें बरसाने की होली सबसे प्रसिद्ध है। जिसे लठ मार होली भी कहते है। इस में बरसाने की स्त्रियां पुरुषों को लठ मारती है और वह ढाल से अपना बचाव करते है। मथुरा,वृंदावन की होली भी बेहद खूबसूरत और विशेष स्थान रखती है। जो धुलंडी नाम से विख्यात है। क्योंकि यह राधा कृष्ण के प्रेम और उनकी रासलीला से जोड़ा शहर है। इस जगह लोग फूलों, रंगो से होली खेलते हैं। हर त्यौहार की तरह होली और होलिका दहन के साथ कई पुराणिक कहानियां भी जोड़ी हैं। होली से एक दिन पहले होलिका दहन किया जाता है। जो हिरण्यकश्यप और उसके पुत्र प्रह्लाद की कहानी से जोड़ा है। पुराणिक कथा के अनुसार हिरण्यकश्यप का ईश्वर में विश्वास नहीं था और उसका पुत्र प्रह्लाद ईश्वर में अटूट विश्वास रखता था। पिता ने पुत्र को अपनी बहन होलिका की गोद में बिठा चिता में जिंदा बिठा दिया और कहा कि यदि ईश्वर है तो उसे अपनी रक्षा के लिए बोला लो। मेरी बहन तो अपनी शॉल जो उसका सुरक्षा कवच है से बच जाएगी। मगर हुआ इसका उल्टा होलिका की शॉल उड़ गई और वह चिता में जलकर भस्म हो गई परंतु प्रहलाद ईश्वर कृपा से चिता से बच गया । तब से होलिका दहन किया जाता है । इस दिन लोग होलिका की अग्नि से समस्त बुराइयों,विकारों के नाश की प्रार्थना करते है। अगले दिन होली रंगो से खेली जाती है । सब एक दूसरे को रंग लगा कर प्रेम और स्नेह का संदेश देते है । इस दिन लोग भांग का भी भोग लगाते है तथा मस्ती और उल्लास से नाचते गाते इस त्योहार का मजा लेते हैं। प्रत्येक त्यौहार लोगों को आपस में जोड़ने,भाई चारे और ज़िंदगी में उत्साह का कार्य करता है । होली भी इन में से एक है।

बुरा न मानो होली है...

रंग दिया मेरी रूह को उसने
कर के सराबोर प्रेम के रंग से

रंग जो दिलों तक उतर जाएँ...

प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

होली दिलों को जोड़ने और दूरी को मिटाने का सबसे रंगीन मौका

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में होली केवल एक त्योहार नहीं,बल्कि सामाजिक समरसता और मानवीय संबंधों का जीवंत उत्सव है। यह वह अवसर है जब रंगों के बहाने मन के भीतर जमी धूल को झाड़ने,रिश्तों में आई दरारों को भरने और जीवन में नई ऊर्जा भरने का अवसर मिलता है। होली हमें याद दिलाती है कि जीवन की असली खूबसूरती बाहरी रंगों में नहीं, बल्कि भीतर की भावनाओं में छिपी होती है।

आज का समय तेज़ रफ्तार, प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का है। परिवार साथ रहते हुए भी दूर होते जा रहे हैं। संवाद की जगह औपचारिक संदेशों ने ले ली है और संवेदनाओं की जगह तर्क ने। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव, अहंकार और गलत फहमियाँ रिश्तों के बीच दीवार खड़ी कर देती हैं। ऐसे में होली एक अवसर बनकर आती है–इन दीवारों को गिराने और अपनत्व के पुल बनाने का।

होली का वास्तविक संदेश क्षमा,स्वीकार और समानता में निहित है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं,तो यह प्रतीक होता है कि हम भेदभाव,कटुता और दूरी को पीछे छोड़ रहे हैं। रंगों की यह परंपरा हमें सिखाती है कि जीवन में विविधता ही सुंदरता है। अलग-अलग स्वभाव, विचार और संस्कृतियाँ मिलकर ही समाज को समृद्ध बनाती हैं। यदि हम इन विविधताओं को स्वीकार कर लें, तो अधिकांश विवाद स्वयं समाप्त हो सकते हैं।

मनमुटाव अक्सर संवाद की कमी से जन्म लेते हैं। हम अपनी बात कहने में देर कर देते हैं और दूसरे की बात सुनने का धैर्य खो बैठते हैं। त्योहार संवाद का स्वाभाविक अवसर प्रदान करते हैं। परिवार और मित्र जब एक साथ बैठते हैं, तो दिल की बातें खुलकर सामने आती हैं। एक सच्ची मुस्कान और एक आत्मीय आलिंगन वर्षों की दूरी को मिटा सकता है। होली हमें यही सहजता और खुलेपन का पाठ पढ़ाती है।

डिजिटल युग में जुड़ाव का स्वरूप बदला है। सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं की भरमार होती है, लेकिन वास्तविक मिलन कम होता जा रहा है। होली हमें स्क्रीन से बाहर निकलकर वास्तविक संबंधों को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देती है। रंगों से सना चेहरा और हँसी से भरा वातावरण उस आत्मीयता को जन्म देता है, जिसे कोई आभासी माध्यम पूरी तरह नहीं दे सकता।

परिवार के संदर्भ में होली का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह

पीढ़ियों को जोड़ने का अवसर है। बच्चे जब अपने बड़ों को हँसते-खेलते देखते हैं,तो उनके भीतर भी अपनत्व और सहयोग की भावना विकसित होती है। बुजुर्गों के अनुभव और युवाओं का उत्साह मिलकर उत्सव को संपूर्ण बनाते हैं। होली का यह सामूहिक स्वरूप परिवार को मजबूत और जीवंत बनाता है।

सामाजिक स्तर पर भी यह पर्व समरसता का संदेश देता है। जाति, वर्ग,भाषा या आर्थिक स्थिति की दीवारें रंगों के सामने फीकी पड़ जाती हैं। जब पूरा समाज एक साथ उत्सव मनाता है,तो आपसी अविश्वास कम होता है और सहयोग की भावना बढ़ती है। आज के समय में,जब समाज विभिन्न स्तरों पर विभाजन का सामना कर रहा है, होली जैसे पर्व सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का माध्यम बन सकते हैं।

हालाँकि यह भी सच है कि समय के साथ त्योहारों में दिखावे और उपभोक्तावाद की प्रवृत्ति बढ़ी है। महंगे आयोजन, प्रदर्शन और सोशल मीडिया पर छवि निर्माण की होड़ ने त्योहारों की आत्मा को कहीं-कहीं आच्छादित कर दिया है। हमें यह समझना होगा कि होली का वास्तविक आनंद सादगी, आत्मीयता और सहभागिता में है। जब हम अपेक्षाओं और प्रतिस्पर्धा से मुक्त होकर उत्सव मनाते हैं, तभी उसकी सच्ची अनुभूति होती है।

मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी होली का महत्व कम नहीं है। तनाव और चिंता से भरे जीवन में यह पर्व हमें खुलकर हँसने,गाने और आनंद लेने का अवसर देता है। सकारात्मक भावनाएँ मन को हल्का करती हैं और नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। जब हम गिले-शिकवे भुलाकर आगे बढ़ते हैं, तो भीतर एक शांति और संतोष का अनुभव होता है।

होली आत्ममंथन का भी समय है। यह सोचने का अवसर है कि क्या हमने किसी को अनजाने में आहत किया है? क्या कोई ऐसा संबंध है जिसे हमने समय न देकर कमजोर होने दिया? यदि उत्तर हाँ है, तो यह पर्व सुधार का अवसर देता है। एक छोटी-सी पहल–एक फोन कॉल, एक मुलाकात या एक स्नेहिल संदेश–रिश्तों में नई जान फूंक सकता है।

अंततः, होली हमें यह सिखाती है कि जीवन का असली रंग प्रेम और अपनत्व है। बाहरी रंग कुछ समय बाद फीके पड़ जाते हैं,लेकिन दिलों में भरे स्नेह के रंग स्थायी होते हैं। यदि हम इस त्योहार की भावना को अपने दैनिक जीवन में उतार लें,तो हर दिन एक उत्सव बन सकता है।

आइए,इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मनमुटाव को पीछे छोड़ेंगे,संवाद को मजबूत बनाएँगे और रिश्तों को प्राथमिकता देंगे। क्योंकि जब दिल जुड़ते हैं,तभी समाज सशक्त होता है और जीवन सचमुच रंगों से भर उठता है। होली केवल रंगों का नहीं, बल्कि भावनाओं का पर्व है–और यही इसे सबसे खास बनाता है।

निर्भय होली

प्रिया देवांगन
राजिम,गरियाबंद,छत्तीसगढ़

किम्बू वन के जीव-जंतु बहुत ही शांति से अपना जीवन यापन करते थे। वन की चर्चा दूर-दूर तक फैली हुई थी। फैलेगी भी क्यों नहीं...उस जंगल में एक भी शेर जो नहीं था। उन्हें किसी भी प्रकार से शिकारी का भय नहीं था। हर बार की तरह सभी इस बार भी होली उत्सव मनाने की सोच रहे थे। किम्बू वन के सभी जीव-जंतु एक जगह एकत्रित हुए। रब्बू भालू बोला-इस बार ढोलक मुनाकू बंदर बजाएगा, लोमड़ी मेहमानों का स्वागत करेगी, जुबली गिलहरी और मोरनी नृत्य करेंगे। ऐसे थोड़े-थोड़े कार्य सभी को सौंपे गये। हिनू हिरणी बोली-रब्बू दादा! होली त्यौहार तो मनाएंगे ही और हर बार की तरह अन्य दूसरे जंगल के जानवरों को आमंत्रित भी करेंगे; लेकिन....!! इतना बोल कर शांत हो गई।

क्या....लेकिन? हिनू,आगे बोलो। जुबली बोली। देखो दादा हम सब गाना बजाना,नृत्य करना, मौज-मस्ती में व्यस्त रहते हैं,उसी बीच खतरा मंडराने लगता है और हम साथी में से हर साल एक साथी अचानक अदृश्य हो जाता है। सिर्फ हम ही नहीं आसपास के सारे जीव-जंतु परेशान रहते हैं। शायद बिंद्रा वन का शेर जो होली मनाने यहाँ आता है, आ के शिकार करता है। इसके लिए भी कुछ सोचा है आप लोगों ने? हिनू बोली।

हम्म....! सभी के मुँह से एक साथ आवाज आई। उस शेर के लिए कितना भी बंदोबस्त कर दो खाने के लिए फिर भी पीछे नहीं हटता है। फोकट में पाओ मरत ले खाओ। मुस्कुराते हुए सभी सिर हिलाए। दूसरे दिन होली थी। रब्बू भालू,होली है.....! बोलता हुआ गज्जू हाथी को रंग लगाया। मुनाकु और जुबली गज्जू के पीठ पर बैठ जंगल के हर दोस्त को रंग लगाते घूम रहे थे। मोरनी नृत्य कर रही थी। सभी एक जगह इकट्ठे हो कर खेलने लगे। चुन्नू चूहा इस बार जंगल-जंगल जा कर सभी को अपनी तरकीब बता दिया था, इसलिए सब वैसा ही कर रहे थे। तभी.....दबे पाँव शेर पीछे के रास्ते से आया। देखा....वाह! क्या नज़ारा है। जीव-जंतु देख खुश तो हुआ ही लेकिन...चिंतित था क्योंकि आज सभी जंगल का पानी रंगा हुआ था। शेर बहुत प्यासा था फिर भी लालची शेर नील गाय को दबोचने ही वाला था,उसी समय लब्बू लोमड़ी बोली...होली है शेर राजा,बुरा न मानो होली है.... !÷ शेर थोड़ा मुस्कुराया और बोला... तुम्हें भी मुबारक हो लब्बू! शेर का दिमाग आग के गोले की तरह गर्म होता जा रहा था,भूख और प्यास ने व्याकुल कर दिया था। जोर से दहाड़ लगाई। सारे के सारे जानवर दुबक गए। सन्नाटा छा गया। काटो तो खून नहीं। सब को खा जाऊँगा, कोई नहीं बचेगा। प्यास और भूख ने मेरी हालत खराब कर दी है,कोई तो पानी दो...। बड़बड़ाता हुआ शेर इधर-उधर घूमने लगा। किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी सामने जा कर पानी पिलाने की। अब तो कोई नहीं बचेगा! हिनू हिरणी बोली। गज्जू बोला...मैं जाता हूँ शेर को पानी पिलाने। सभी के हाथ-पैर इतने काँप रहे थे जितना तो ठंड में नहीं काँपा होगा।

हाथी अपने तरकीब के अनुसार शेर के पास गया और पानी का एक पतीला रखा। लीजिए राजा जी पहले आप पानी पीजिए,इससे पहले कि ये रंग जाए आप प्यास बुझाइए। रब्बू भी पीछे-पीछे गया,बोला...उसके बाद आपका मन पसंद भोजन तैयार है। शेर खुश हुआ।

प्यासा होने के कारण कुछ पूछे बिना ही गटागट पानी पीने लगा। जोर से डकार मारी। हाय....! ठंडक मिली देह को। धीरे-धीरे शेर का सिर घूमने लगा। गज्जू और रब्बू चार-चार दिखाई दे रहे थे। सब समझ गए शेर को भांग वाले पानी का असर हो रहा है। बाकी जानवर शेर की हरकत देख पीछे से खुसुर-फुसुर करने लगे,असर हो रहा...असर हो रहा! भूखा होने के कारण भांग जल्दी असर कर गया और शेर वहीं बेहोश हो गया। शेर के बेहोश होने के बाद सब के सब बाहर आए और फिर पहले की तरह होली मनाने लगे। एक-दूसरे के जान में जान आई। शेर को होश आए इससे पहले ही गज्जू ने सूंड में उठा कर दूर घने जंगल में छोड़ आया। सब एक-दूसरे को बधाई दे कर होली मनाने लगे। इस प्रकार सबने सूझ-बूझ से एक-दूसरे की जान बचाई और इस बार कोई भी शेर का शिकार नहीं बना।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

रंगों का त्योहार होली आज...लोगों ने की नेचुरल रंग व गुलाल की खरीददारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

रंगो का त्योहार होली को लेकर लोगों में विशेष इंतजार रहता है। इस वर्ष होली 4 मार्च को मनाया जाएगा। इससे पूर्व 2 मार्च की देर रात विधिविधान से होलिका दहन किया गया। आधी रात के बाद होलिका दहन होने व मंगलवार को चंद्रग्रहण होने के कारण होली एक दिन बाद 4 मार्च को मनाया जाएगा। इसे लेकर बाजार में तैयारियां और रौनक बढ़ गई है। शहर में जगह-जगह पिचकारी,रंग-गुलाल व अन्य सामानों की दुकानें सजी है। होली की खरीदारी को लेकर लोग अभी से काफी उत्साहित रहा। इस बार लोगों में गुलाल की खरीद को लेकर काफी जागरुकता देखी जा रही है। लोग साधारण और केमिकल युक्त गुलाल की जगह पर बिना केमिकल का

नेचुरल गुलाल अधिक खरीद रहे हैं। वहीं इस वर्ष विभिन्न प्रकार के फूल व भाजी से निर्मित अबिर गुलाल भी बाजार में उपलब्ध है। हालांकि यह अन्य अबिर-गुलाल से थोड़ी महंगी है पर पूरी तरह नेचुरल है। इससे त्वचा पर किसी तरह का नुकसान नहीं होने की बात कही जा रही है। पिचकारियों की बात करें तो दुकानों पर मिल रही कई प्रकार की पिचकारियां बच्चों को खूब लुभा रही है।

करजी गांव में दशकों पुरानी परंपरा होलिका दहन के बाद अंगारों पर चले ग्रामीण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

होलिका दहन के दौरान सरगुजा जिले के एक गांव से हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। करजी गांव में ग्रामीण दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलते नजर आए। बताया जाता है कि यह परंपरा गांव में कई दशकों से निभाई जा रही है। हर वर्ष होलिका दहन के बाद जब अग्नि शांत होकर अंगारों में बदल जाती है, तब गांव के लोग उसमें चलकर अपनी आस्था प्रकट करते हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यह देवी की कृपा है। अंगारों पर चलने के बाद भी उनके पैरों में न तो फफोले पड़ते हैं और न ही किसी प्रकार का दर्द होता है। लोग इसे भगवान का आशीर्वाद मानते हैं। इस अनोखी परंपरा को देखने के लिए आसपास के कई गांवों से भी लोग मौके पर पहुंचते हैं। होलिका दहन के साथ आस्था और विश्वास का यह दृश्य देर रात तक चर्चा का विषय बना रहा।

ससुर के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे युवक की हादसे में मौत,पत्नी व बेटा घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

ससुर के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे बाइक सवार युवक की हादसे में मौत हो गई। वहीं पत्नी व बच्चे घायल हो गए हैं। घटना सीतापुर थाना क्षेत्र के जामढोड़ी की है। जानकारी के अनुसार प्रमोद कुमार पिता उजीत कुमार उम्र 31 वर्ष कोरबा जिले के रामपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। 2 मार्च को इसके ससुर का निधन हो गया था। प्रमोद पत्नी व 4 वर्षीय बेटे के साथ बाइक से ससुर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पंडरापाठ जाने निकला था। रास्ते में सीतापुर थाना क्षेत्र के जामढोड़ी के पास पिकअप क्रमांक सीजी 14 एवी 2293 ने टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में तीनों घायल हो गए थे। सूचना पर मौके पर पहुंची सीतापुर पुलिस ने तीनों घायलों को इलाज के लिए सीतापुर अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां तीनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान प्रमोद की मौत हो गई। वहीं पत्नी व बेटे का इलाज चल रहा है।

खदान में ट्रक चालक की हार्ट अटैक से मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

महान-3 केरता खदान में कार्यरत ट्रक चालक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मध्यप्रदेश के उमरिया निवासी 43 वर्षीय मनोज सिंह 28 फरवरी को ड्यूटी पर आया था। एक मार्च को तबीयत बिगडने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया गया,जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

शराबी बेटे ने टांगी से हमला कर की पिता की हत्या

शव पानी टंकी में फेंकने के बाद बिरयानी खाकर सो गया आरोपी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

शहर के ट्रांसपोर्टनगर से लगे बहेरापारा में सोमवार रात एक युवक ने शराब के नशे में अपने पिता की हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने शव को घर के पास स्थित पानी टंकी में डाल दिया और दुकान से बिरयानी लाकर खाकर सो गया। मंगलवार सुबह पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बहेरापारा निवासी 50 वर्षीय पारस केरकेट्टा अलग मकान में रहते थे। उनका छोटा बेटा 25 वर्षीय प्रभात केरकेट्टा पास ही किराए के मकान में रहता है। सोमवार रात करीब 11 बजे प्रभात शराब के नशे में पिता के घर पहुंचा। नशे में देख पिता ने उसे डांटा, जिससे दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान प्रभात ने टांगी के पिछले हिस्से से पिता के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से पारस केरकेट्टा की मौके पर ही मौत हो गई।

शव टंकी में फेंका,फिर खाई बिरयानी : हत्या के बाद प्रभात ने पिता का शव उठाकर घर के पास स्थित पानी टंकी में डाल दिया। इसके बाद वह पास की दुकान से बिरयानी लेकर अपने कमरे में गया और खाना खाकर सो गया।

पड़ोसियों की सूचना पर कार्रवाई

रात में पिता-पुत्र के बीच झगड़े की आवाज सुनकर पड़ोसियों को संदेह हुआ। सुबह उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मणिपुर थाना प्रभारी सीपी तिवारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने शराब के नशे में घटना 'गलती से' होने की बात कही। पुलिस ने पानी टंकी से शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क पर कारों की भिड़ंत दोनों पक्षों ने दर्ज कराया केस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 03 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

शहर में मामूली कार टक्कर के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि सड़क पर ही ईंट, पत्थर और डंडे चलने लगे। घटना 25 फरवरी की दोपहर बनारस रोड और साईं मंदिर मार्ग के पास की है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट, तोड़फोड़ और नगदी गायब करने का आरोप लगाया है। जयस्तंभ चौक निवासी शाकीब अशरफ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रेलवे स्टेशन अजिरमा से पत्नी को लेकर लौटते समय अमृत तुल्य होटल के पास उनकी कार का हल्का स्पर्श हिमांशु भगत की कार से हो गया। आरोप है कि इसके बाद पीछा कर उनकी कार को टक्कर मारी गई, जिससे वाहन खंभे से जा टकराया। उन्होंने कांच फोडने, मारपीट करने और 10 हजार रुपए सहित दस्तावेज से भरा पर्स गायब होने का आरोप लगाया है। वाहन को करीब 3 लाख रुपए का नुकसान बताया गया है। वहीं, दूसरे पक्ष से हिमांशु भगत ने भी रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि स्कोडा कार चालक ने पहले उनकी गाड़ी को टक्कर मारी और बाद में मारपीट की। उनका कहना है कि कार में रखा कैमरा और 50 हजार रुपए गायब हो गए। पुलिस दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बतौली में एक ही रात दो दुकानों में चोरी,लाखों का माल पार

वाटिका पारा में क्लॉथ स्टोर और एग्रो दुकान का शटर तोड़कर वारदात,सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 03 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

बतौली थाना क्षेत्र के वाटिका पारा में मंगलवार देर रात अज्ञात चोरों ने दो दुकानों को निशाना बनाकर सनसनी फैला दी। चोरों ने योगेश क्लॉथ स्टोर और जय माता दी एग्रो का शटर तोड़कर नगदी समेत लाखों रुपए के सामान पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार चोर देर रात दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुसे। इसके बाद कैश काउंटर में रखी नगदी और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। सुबह जब दुकानदार दुकान खोलने पहुंचे तो शटर टूटा देख घटना की जानकारी हुई। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई

है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ भी की है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इधर, क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में आक्रोश है। स्थानीय व्यापारियों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जनजाति सुरक्षा मंच सीतापुर की नई कार्यकारिणी घोषित,अनिल निराला बने खंड संयोजक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जनजाति सुरक्षा मंच की प्रांतीय इकाई के निर्देश पर सीतापुर विकासखंड की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उरांव समाज भवन में आयोजित कार्यशाला में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन हुआ। कार्यशाला में जशपुर प्रांत के सह संयोजक इंदर भगत ने संगठन की मजबूती और समाज की एकजुटता पर जोर दिया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। नई कार्यकारिणी में अनिल निराला को खंड संयोजक बनाया गया है। उपस्थित सदस्यों ने संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत हो गई। ग्राम कटकोना निवासी 56 वर्षीय भगवान राम अपनी पुत्री के बीमार बेटे को देखने जा रहे थे। गणेशपुर के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया,जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/...../अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 मुस्तुफा आ0 अब्दुल अजीज मियां, निवासी अजीज हाउस नं0 45 हफीजुला अंसारी, नगर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की शीट नम्बर -03 मोहल्ला-कौवाडांड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 1541 रकबा 0.05 एकड़ में से रकबा 1113.25 वर्गफीट भूमि को अनावेदक / क्रेता शमीमा बेगम पति कलीमुल्ला कुरैशी, निवासी वार्ड नंबर-35 मायापुर, नगर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-03.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 202405020700268 /अ-27/2023-24

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202405020700268 /अ-27/2023-24 पक्षकार गुड्डू उर्फ रामलखन प्रति रामचरण में ग्राम मुडेसा स्थित खसरा नंबर 1 / 27, 1/28, 164/1, 294, 296, 467, 473, 491, 819/1, 941/1, 1070, 1071, 1079/1, 1108/7, 1108/14, 1108/22, 1108/39, 1108/70 कुल खसरा नंबर 18 कुल रकबा 2.725 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है । अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/03/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 23/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर (छ.ग.

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) धौरपुर,जिला सरगुजा (छ0ग0)

धौरपुर,दिनांक 27/2/2026

धौरपुर, दिनांक 27/2/2026

क्रमांक/715/ खाद्य/अ0वि0अ0/ 2026 :: एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत डूमरडीह अंतर्गत ग्राम परसाढ़ोढी में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान खोलना प्रस्तावित है। अतएव शासकीय उचित मूल्य दुकान परसाढ़ोढी के संचालन हेतु इच्छुक एजेंसी जो छ0ग0 सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के अंतर्गत संचालन हेतु पात्र हैं, वे अपना आवेदन पत्र विहित प्रारूप में सम्पूर्ण विवरण एवं दस्तावेज यथा पंजीयन प्रमाण पत्र, प्रस्ताव, कार्यवाही पंजी, बैक पास बुक की सत्यापित छायाप्रति के साथ आवेदन पत्र दिनांक 12/03/2026 तक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) धौरपुर में जमा कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 25/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर व पदमुद्रा से जारी ।

(जे0 आर सतरंज)
अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
धौरपुर,सरगुजा,छ0ग0

जी नंबर-252606985/4

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) धौरपुर,जिला सरगुजा (छ0ग0)

धौरपुर,दिनांक 27/2/2026

क्रमांक / 717 / खाद्य / अ0वि0अ0 / 2026 ::

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लालमाटी अंतर्गत ग्राम गंझाडांड में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान खोलना प्रस्तावित है। अतएव शासकीय उचित मूल्य दुकान के गंझाडांड के संचालन हेतु इच्छुक एजेंसी जो छ0ग0 सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के अंतर्गत संचालन हेतु पात्र हैं, वे अपना आवेदन पत्र विहित प्रारूप में सम्पूर्ण विवरण एवं दस्तावेज यथा पंजीयन प्रमाण पत्र, प्रस्ताव, कार्यवाही पंजी, बैक पास बुक की सत्यापित छायाप्रति के साथ आवेदन पत्र दिनांक 12/03/2026 तक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) धौरपुर में जमा कर सकते हैं । समय-सीमा के बाद प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 230 02/2026 को मेरे हस्ताक्षर व पदमुद्रा से जारी ।

(जे0 आर सतरंज)
अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
धौरपुर,सरगुजा,छ0ग0

जी नंबर-252606986/4

कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

पुलिस लाईन रोड,वौरीपारा,अम्बिकापुर फोन नं0 07774-240877
ई-मेल ddvsmamhi.egwnlc.in

क्रमांक 1879 /योजना/2025-26/ अम्बिकापुर/ दिनांक 26/02/2026

रूची की अभिव्यक्ति

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये छ. ग. नवा रायपुर के स्वीकृति आदेश क्रमांक 7855, दिनांक 19.12.2026 द्वारा प्रदाय स्वीकृति अनुसार नेशनल लाइवस्टॉक मिशन अंतर्गत धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान योजना के तहत चयनित 11 हितग्राहियों को बकरी इकाई वितरण हेतु खुले बाज़ार का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे राज्य में पंजीकृत पशु व्यापारी को आमंत्रित किया जाता है।

1	खुले बाज़ार का आयोजन दिनांक	13.03.2026
2	आयोजन स्थल	अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)
3	खुले बाज़ार में भाग लेने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि	9.03.2026

नियम एवम शर्ते -

1. कुल 11 बकरी इकाई (5 मादा बकरी + 1 नग बकरा) में 55 नग बकरी एवं 11 नग बकरा का वितरण किया जायेगा ।
2. मादा बकरी की आयु कम से कम 1 वर्ष एवम वजन 10 किलोग्राम होना चाहिए, इसके लिए प्रति बकरी राशि रु. 6000/- का भुकतान किया जायेगा 7 नर बकरा उन्नत नस्ल का तथा आयु कम से कम 1.5 वर्ष एवम वजन 15 किलोग्राम होना चाहिए, इसके लिए प्रति बकरा राशि रु.10000/- का भुकतान किया जायेगा ।
3. बकरा बकरी संक्रामक रोगों से बचाव हेतु टीकाकृत होना चाहिए 7 छ.ग. पशु चिकित्सा परिषद् में पंजीकृत पशु चिकित्सक द्वारा जारी स्वास्थ्य एवम टीकाकारण प्रमाण प्रस्तुत करना अनिवार्य है ।

आवेदन प्रारूप एवम अन्य जानकारीयां सरगुजा जिले की वेबसाईट http://surguja.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है एवम कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाये अंबिकापुर, जिला सरगुजा में कार्यालयीन समय पर आ कर प्राप्त किया जा सकता है ।

उप संचालक
पशु चिकित्सा सेवायें
अम्बिकापुर सरगुजा (छ0ग0)

जी नंबर-252606993/1

न्यायालय प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी बलरामपुर,स्थान- रामानुजगंज
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
(पीठासीन अधिकारी- श्रीमती दीप्ति सिंह गौर)

समंस / नोटिस
(भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम अन्तर्गत धारा 372 प्रक्रिया संहिता)

उत्तराधिकार प्रकरण क्र. - 04/2026
प्रोसेस नं. 96/2026
प्रोसेस दिनांक - 28.02.2026
पेशी दिनांक- 11.03.2026

पक्षकार :- विमल .....आवेदकगण
-: विरूद्ध :-
सुशीला देवी वगै0 .....अनावेदकगण

प्रति,

आवेदकगण विमल के द्वारा उत्तराधिकार प्रकरण इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उसके पक्ष समर्थन में दस्तावेज भी प्रस्तुत की गयी है।

अतः अनावेदक क्रमांक-3 आम जनता (जिनका हित हो) जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) को इस समंस के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत इस आवेदन के संबंध में आपको अपना पक्ष रखने हेतु अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होना है। उपरोक्त नियत तिथि एवं समय पर अनुपस्थित रहने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण की सुनवाई की जा सकेगी।

यदि उक्त नियत तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है या मै अवकाश पर जाती हूँ, तो इस प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि पर की जायेगी।

इस न्यायालय की मुद्रा लगाकर आज दिनांक- 28/02/2026 को जारी।

(श्रीमती दीप्ति सिंह गौर)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी बलरामपुर, स्थान-रामानुजगंज बलरामपुर, स्थान-रामानुजगंज (छ.ग.)

सील

CMYK

दुकान खोलो तो गुनाह,बंद करो तो विकास ! शॉपिंग कॉम्प्लेक्स या संघर्ष स्थल?

पार्किंग में बाजार,नियम फाइल में लाचार,व्यापारी लाइन में, सिस्टम ऑनलाइन...

- किराया पूरा,सुविधा अधूरी–वाह नगर पालिका सूरजपुर!
- वाह रे सूरजपुर! दुकान खोलो तो अपराध,बंद करो तो विकास-शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बना 'संघर्ष कॉम्प्लेक्स'
- सूरजपुर नगर पालिका शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 'त्योहारी टकराव'
- नीलामीधारी दुकानदार बनाम अस्थायी बाजार, पार्किंग पर कब्जा और प्रशासन की चुप्पी...

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)। कहते हैं शहर विकास की राह पर है,सड़कें चमक रही हैं,दावे दमक रहे हैं और भाषणों में 'समृद्ध सूरजपुर' की गूंज है,लेकिन पुराने बस स्टैंड स्थित अग्रसेन चौक के नगर पालिका शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में हालात कुछ और ही कहानी कह रहे हैं,यहां दुकानदारों का कसूर सिर्फ इतना है कि उन्होंने नगर पालिका से बाकायदा बोली लगाकर दुकान ली...और अब शांति से व्यापार करना चाहते हैं! सूरजपुर नगर पालिका परिसर के सामने स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स इन दिनों एक बार फिर विवादों के केंद्र में है,हर त्यौहार के साथ यहां एक'स्थायी समस्या'अस्थायी दुकानों के रूप में खड़ी हो जाती है,नीलामी के माध्यम से दुकान लेने वाले स्थायी व्यापारी आरोप लगा रहे हैं कि उनके ठीक सामने टेंट-तंबू लगाकर अस्थायी दुकानें सजा दी जाती हैं, जिससे उनका व्यवसाय प्रभावित होता है और दुकानें लगभग एक सप्ताह तक अवरुद्ध हो जाती हैं,मामला केवल अतिक्रमण का नहीं,बल्कि आजीविका, व्यवस्था और प्रशासनिक जिम्मेदारी का बन गया है।

हर त्यौहार पर वही दृश्य

स्थानीय व्यापारियों के अनुसार रक्षाबंधन में राखी की दुकानें, 15 अगस्त और 26 जनवरी पर झंडा और सजावटी सामग्री,दिवाली-दशहरा में पटाखे और पूजन सामग्री,और फिलहाल होली पर रंग-गुलाल की दुकानें हर अवसर पर अस्थायी टेंट दुकानें ठीक स्थायी दुकानों के सामने सजा दी जाती हैं। ये दुकानें लगभग एक सप्ताह तक रहती हैं, इस दौरान पीछे की स्थायी दुकानें ग्राहकों की नजर से ओझल हो जाती हैं।

पार्किंग से 'मिनी बाजार' तक

कॉम्प्लेक्स के सामने जो स्थान पार्किंग के लिए निर्धारित है,वहीं अस्थायी बाजार सजा दिया जाता है,परिणामस्वरूप ग्राहकों के लिए वाहन खड़ा करना मुश्किल, मुख्य प्रवेश अवरुद्ध, पीछे की दुकानों तक पहुंच बाधित,स्थायी दुकानदारों का कहना है कि 'पार्किंग अब पार्किंग नहीं रही, मिनी बाजार बन चुकी है।

आरोप : पैसे लेकर दुकान लगवाने की चर्चा

व्यापारियों के बीच यह भी चर्चा है कि कुछ लोग अपनी दुकान के सामने अस्थायी दुकान लगवाने के लिए कथित रूप से पैसे लेते हैं,कुछ दुकानों के सामने बिना सहमति के जबरन दुकानें लगा दी जाती हैं, अस्थायी दुकानदार कुछ दिनों के लिए आते हैं,कमाई करते हैं और चले जाते हैं,हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन इससे असंतोष का माहौल जरूर बना है।

विकास का मॉडल: सामने पार्किंग,ऊपर टेंट,बीच में तनाव

कॉम्प्लेक्स के सामने जो जगह ग्राहकों की गाड़ियों के लिए तय थी,वहां इन दिनों टेंट-तंबू सजाकर अस्थायी दुकानें सजी हैं, परिणाम ये है की ग्राहक पहले टेंट की भूलभुलैया पार करें,फिर रास्ता खोजें और अगर पार्किंग मिल जाए तो खुद को भाग्यशाली समझें स्थायी दुकानदारों का कहना है कि पार्किंग की जगह 'मिनी बाजार' बन चुकी है,अस्थायी दुकानदारों का कहना है कि त्योहार है,रोजी-रोटी है, नगर पालिका का कहना क्या है? यह फिलहाल फाइलों के पन्नों में विश्राम कर रहा है।

आवेदन पर आवेदन,मुहर पर मुहर

दुकानदारों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को बाकायदा आवेदन देकर कहा...'साहब! दुकान हमने नियम से ली है,किराया दे रहे हैं,टैक्स दे रहे हैं। बस सामने की पार्किंग बचा लीजिए।'प्रतिलिपि कलेक्टर साहब से लेकर तहसीलदार और अध्यक्ष महोदय तक भेजी गई,मुहरें भी लग गईं, तारीख भी पड़ गई,अब कार्रवाई का इंतजार है... जो शायद अगली होली तक रंग लाए।

त्योहार सीजन में 'शांतिपूर्ण' व्यापार बंद

मामला यहीं खत्म नहीं हुआ,सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट वायरल हुई 'अब तो नहीं होगा किसी त्योहारी सीजन गरीब व्यापारी का नुकसान।' यानि त्योहार के समय दुकानें खुली रहें तो नुकसान,बंद हों तो विकास! कुछ व्यापारियों का आरोप है कि दबाव में उन्हें दुकानें बंद करनी पड़ीं,प्रश्न उठता है क्या अपने ही प्रतिष्ठान में व्यापार करना अब'अनुमति आधारित स्वतंत्रता' हो गया है?

नगर पालिका : किराया वसूलो, जिम्मेदारी टालो?

व्यंग्यकार पूछ रहे हैं क्या नगर पालिका की भूमिका सिर्फ किराया लेने तक सीमित है? या फिर सुविधा-असुविधा देखना भी कभी-कभार एजेंडे में आता है?'सुसज्जित-संपन्न सूरजपुर' के दावे हवा में हैं,और जमीनी हकीकत यह कि दुकानदार पार्किंग ढूंढते-ढूंढते विकास खोज रहे हैं।

आजीविका बनाम अतिक्रमण: संतुलन या संघर्ष?

यह मामला सिर्फ अतिक्रमण का नहीं है,यह है स्थायी बनाम अस्थायी, किरायेदार बनाम टेंटधारी,नियम बनाम राजनीति,हर पक्ष अपनी जगह सही है,लेकिन समाधान? वह शायद अगली बैठक की कार्यवाही में लिखा जाएगा।

'कॉम्प्लेक्स' का असली अर्थ समझ आया

नगर पालिका शॉपिंग कॉम्प्लेक्स अब सचमुच'कॉम्प्लेक्स' हो चुका है, जहां व्यापार से ज्यादा उलझनें बिक रही हैं, दुकानदार पूछ रहे हैं की हम दुकान खोलें तो समस्या, बंद करें तो समाधान...आखिर शहर चलेगा कैसे? अब देखना है कि प्रशासन इस 'विकास लीला' का अंत कैसे करता है की पार्किंग खाली होगी या बयानबाज़ी? तब तक,सूरजपुर के व्यापारी विकास के रंग में भीगते रहेंगे...बस फर्क इतना है कि यह रंग थोड़ा व्यंग्यात्मक है।

आजीविका बनाम अस्थायी बाजार,यह मुद्दा केवल अतिक्रमण तक सीमित नहीं है। यह दो आजीविकाओं के टकराव का मामला है...

स्थायी दुकानदार
- नीलामी में मोटी रकम देकर दुकान ली...
- नियमित किराया और टैक्स अदा करते हैं...
- वर्षभर व्यवसाय चलाते हैं

अस्थायी दुकानदार
- सीमित समय के लिए आते हैं...
- त्योहारी सीजन में कमाई का अवसर...
- छोटे व्यापारियों के लिए आय का साधन...

दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी जगह जायज दलील रखते हैं। लेकिन सवाल संतुलन का है...

वाह सूरजपुर नगरपालिका, वाह नेतागण, वाह सूरजपुर को सुसज्जित-समृद्ध बनाने का दावा करने वाले

*सूरजपुर नगरपालिका शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दुकान लेकर शांति से अपना व्यवसाय करना ही कुसूर है

बस बड़े बड़े वादे है...कोई नहीं है आपकी सुविधा-असुविधा को देखना वाला..

इन त्योहारी सीजन में लगाने वाले दुकानदारों और नेताओ के दबाओ से मजबूरन अपना व्यापार बंद करना पड़ा आज।

इससे पहले की और कोई जनप्रतिनिधि का फ़ोन या वो ख़ुद ना आ जाए, बंद करना पड़ा अपना व्यवसाय

एक व्यापारी स्वयं अपने प्रतिष्ठान में व्यापार करने को स्वतंत्र नहीं है क्या यही है उचित...?

नगरपालिका सिर्फ किराया लेने के लिए है व्यापारियों के हित के लिए उनकी कोई ज़िमीदारी नहीं बनती...?

15:31

नगर पालिका की भूमिका पर सवाल,स्थायी दुकानदार पूछ रहे हैं...

- क्या नगर पालिका की जिम्मेदारी केवल नीलामी और किराया वसूली तक सीमित है?
- क्या सार्वजनिक स्थल और पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता में नहीं है?
- या हर त्यौहार पर यही स्थिति दोहराई जाती रहेगी? 'सुसज्जित और समृद्ध सूरजपुर' के दावों के बीच यह विवाद प्रशासनिक नीति और पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है।

सोनहत में हर्षोल्लास के साथ हुआ होलिका दहन

ग्रामीणों ने एकजुट होकर मांगी सुख-समृध्दि,आज रंगों की बौछार

-संवाददाता-

सोनहत,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक होली पर्व सोनहत क्षेत्र में पारंपरिक श्रद्धा,आस्था और उल्लास के साथ प्रारंभ हो गया,सोमवार की रात नगर सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में विधि-विधान से होलिका दहन संपन्न हुआ। देर रात तक गांव-गांव में पूजा-अर्चना और मंगलकामनाओं का दौर चलता रहा।

परंपरा और आस्था का संगम : सोनहत के प्रमुख बाजार स्थल सहित विभिन्न चौक-चौराहों और मोहल्लों में शुभ मुहूर्त के अनुसार पूजा-अर्चना की गई। ग्रामीणों ने होलिका की परिक्रमा कर उसमें अक्षत,गुलाल और नई फसल की बालियां अर्पित कीं,पंडितों और बैगा के मंत्रोच्चार के बीच अग्नि प्रज्वलित की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ इस पर्व में भाग लिया।

एकता की मिसाल : होलिका दहन के अवसर पर सामाजिक समरसता का सुंदर दृश्य देखने को मिला। गांव के सभी वर्गों के लोग एक स्थान पर एकत्रित हुए और सामूहिक रूप से पूजा संपन्न की बुजुर्गों ने बताया कि होलिका दहन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि समाज की बुराइयों को प्रतीकात्मक रूप से जलाने और आपसी प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे को बढ़ाने का पर्व है,ग्रामीणों ने होलिका की पवित्र अग्नि में अहंकार,द्वेष और आपसी मतभेदों की आहुति देकर क्षेत्र की सुख-शांति और खुशहाली की कामना की।

ग्रहण के कारण आज खेली जा रही धुलेंडी : इस वर्ष होलिका दहन के बाद ग्रहण के साये के चलते तिथियों में बदलाव हुआ। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार,ग्रहण समाप्ति के बाद शुद्ध समय में रंग खेलने का निर्णय लिया गया,इसी कारण

आज धुलेंडी (रंग वाली होली) मनाई जा रही है। सुबह से ही सोनहत की गलियों में बच्चों और युवाओं की टोलियां रंग-गुलाल उड़ाते नजर आईं, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक गीतों के साथ पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना हुआ है।

सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट : त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है, मुख्य मार्गों, बाजार क्षेत्र और अंदरूनी मोहल्लों में पुलिस बल की लगातार गश्त जारी है। हुड़दंग और असामाजिक गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, थाना प्रभारी ने नागरिकों से अपील की–'त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं। नशा कर वाहन चलाने और अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्साह और परंपरा का संगम : सोनहत में होली का यह पर्व परंपरा,सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों का सुंदर उदाहरण बनकर सामने आया,होलिका दहन से लेकर रंगों की होली तक, हर चरण में ग्रामीणों की भागीदारी और उत्साह देखने लायक रहा,अब पूरा क्षेत्र रंगों में सराबोर है और लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर प्रेम और भाईचारे का संदेश दे रहे हैं।

दैनिक घटती-घटना' की खबर का बड़ा असर...स्वास्थ्य मंत्री का

आश्वासन...मितानिन समन्वयकों को मिलेगा बकाया भुगतान

- 5 माह बाद पसीने की कमाई,मितानिनों के खातों में बरसेगा मानदेय
- आर्थिक आईसीयू से राहत,शासन ने जारी किया लंबित भुगतान
- मितानिनों की पुकार सुनी गई,मानदेय पर सरकार का फैसला
- लंबित मानदेय पर शासन सक्रिय,जल्द खातों में पहुंचेगी राशि
- पांच माह का इंतजार खत्म,मितानिनों को राहत की उम्मीद
- सूखे खातों में फिर मुस्कान : मितानिनों को मिला भुगतान का भरोसा
- घर-घर स्वास्थ्य पहुंचाने वाली महिलाओं को अब आर्थिक संबल
- संघर्ष रंग लायाः मितानिनों के मानदेय पर सकारात्मक कदम

-राजन पाण्डेय-

बैकुंठपुर,03 मार्च 2026 (घटती-घटना)। पांच माह से मानदेय के इंतजार में आर्थिक संकट झेल रहीं मितानिनों और स्वास्थ्य पंचायत समन्वयकों के लिए राहत की खबर आई है,लगातार उठाए गए मुद्दे और प्रेस वार्ता में सीधे सवालों के बाद शासन ने लंबित भुगतान जारी करने का आश्वासन दिया है, स्वास्थ्य मंत्री के स्पष्ट बयान के बाद अब संबंधित समन्वयकों के बैंक खातों में राशि हस्तांतरित होने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पांच माह के लंबे इंतजार के बाद मानदेय जारी होने की खबर से कोरिया जिले में खुशी की लहर है। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि जब मुद्दों को तथ्यपरक ढंग से उठाया जाता है और जिम्मेदार मंच पर सवाल रखे जाते हैं, तो समाधान की राह निकलती है,अब मितानिन समन्वयकों के 'सूखे' बैंक खातों में राहत की राशि पहुंचने की उम्मीद है–और इसके साथ ही ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिलने की संभावना है।

प्रेस वार्ता में उठा मुद्दा,मिला स्पष्ट जवाब...

3 मार्च को कोरिया प्रवास के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से मितानिन समन्वयकों के लंबित मानदेय को लेकर सवाल पूछा गया, मंत्री ने जवाब देते हुए कहा की मितानिन समन्वयकों की समस्याओं से सरकार अवगत है, तकनीकी और बजटीय प्रक्रियाओं के कारण भुगतान में देरी हुई है,सरकार ने तत्काल कदम उठाए हैं और सभी लंबित मानदेय की राशि शीघ्र खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी,यह बयान उन हजारों महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए उम्मीद की किरण बना, जो पिछले पांच महीनों से बिना मानदेय के कार्य कर रही थीं।

'आर्थिक सूखे' से जूझता परिवार

मितानिन और स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे टीकाकरण,मातृ-शिशु स्वास्थ्य,पोषण अभियान और जनजागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं,पांच माह तक मानदेय न मिलने से कई परिवारों की आर्थिक स्थिति डगमगा गई, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई,कुछ परिवारों को ब्याज पर उधार लेने की स्थिति बनी,इस स्थिति को'आर्थिक आईसीयू' की संज्ञा दी जा रही थी,क्योंकि आय का स्रोत रुकने से जीवनयापन कठिन हो गया था।

संगठन और समाज की सक्रियता, मुद्दे को लेकर स्वास्थ्य पंचायत मितानिन संगठन और सामाजिक संगठनों ने भी आवाज उठाई-

प्रदेश अध्यक्ष सरोज सिंह सेंगर ने कहा– 'हम लंबे समय से मानदेय जारी करने की मांग कर रहे थे। अब सरकार के निर्णय से हमारे परिवारों को राहत मिलेगी। '

कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने कहा...

'यह हजारों मितानिनों की मेहनत और संघर्ष की जीत है,हम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने समस्या को समझा और त्वरित निर्णय लिया। 'समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अधिवक्ता जयचंद सोनपाकर ने इसे लोकतांत्रिक संवाद और जनसरोकार की जीत बताया।

पारदर्शिता का भरोसा

स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वस्त किया कि भविष्य में केंद्रांश और राज्यांश की राशि के वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो,प्रशासनिक स्तर पर तकनीकी और बजटीय प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की बात भी कही गई है।

CMYK

महाव्यंग्य-1

'सबका विकास' या 'नेताओं का सुपरफास्ट विकास?' रंग जनता के गाल पर... मलाई सत्ता के थाल पर!

(घटती-घटना होली विशेष व्यंग्य)। होली है! ढोल बज रहे हैं...गुलाल उड़ रहा है...और राजनीति में फिर वही पुराना नारा-सबका साथ,सबका विकास! जनता पूछ रही है-भाई,विकास कहाँ है? जवाब आता है-रुको...अभी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखेगा!

विकास का 'व्हीआईपी कलर पैक'

गांव की टूटी सड़क पूछ रही है-मेरा रंग कब चढ़ेगा? अस्पताल का खाली वार्ड कह रहा है-मेरे लिए भी कोई गुलाल बचा है? युवा बेरोजगार खड़ा है-मेरी पिचकारी में नौकरी कब भरेगी? पर उधर नेताओं की होली अलग है-टिकट का रंग, पद का रंग, बोर्ड-निगम का रंग और सबसे गाढ़ा... संभावनाओं का रंग!

अगली होली का 'मुख्यमंत्री रंगोत्सव'?

चौपालों में उड़ती खबरें भी इस बार गुलाबी नहीं, केसरिया हो गई हैं, कहा जा रहा है की अगर अगली बार भाजपा की सरकार आई तो पिछड़ा वर्ग से श्याम बिहारी जायसवाल मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में उभर सकते हैं, राजनीति में होली से पहले ही रंगों की बुकिंग हो जाती है, समीकरण ऐसे बनते हैं जैसे रंग घोलते वक्त पानी का संतुलन-ज्यादा हुआ तो फीका,कम हुआ तो दाग पक्का! जनता सोचती है की हमें तो बस इतना बता दो कि अगली बार हमारी गली का नाला भी बनेगा या सिर्फ मुख्यमंत्री की कुर्सी रंगेगी?

बैकुंठपुर से राजभवन तक की 'रंग यात्रा'?

होली के हंसी-मजाक में एक और चर्चा है की बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े को खाली राज्यपाल पदों पर मौका मिल सकता है,राजनीति की होली में आज विधायक,कल मंत्री, परसों राज्यपाल-यहाँ रंग बदलने की रफ्तार गिरगिट से भी तेज होती है, जनता पूछती है-हमारी तकदीर कब बदलेगी? नेता कहते हैं-पहले हमारी जिम्मेदारी बदलने दो!

वर्तमान सरकार का 'मूल मंत्र'

मूल मंत्र क्या है? विकास? संतुलन? या फिर-जो ज्यादा रंग लगाए,वही आगे बढ़ाए? सरकार कहती है-हमने सबका विकास किया। जनता कहती है-ठीक है,दिखा दो। सरकार कहती है-पोस्टर देख लो। जनता कहती है- जमीन देख लेते हैं?

बजट की होली

बजट आता है...घोषणाएं उड़ती हैं...तालियां बजती हैं... और अगले साल फिर वही सवाल- कहाँ गया रंग? कभी-कभी लगता है विकास भी होली के रंग जैसा है-पहले दिन गाढ़ा, दूसरे दिन हल्का, तीसरे दिन गायब।

जनता की 'सूखी होली'

नेताओं की होली-मिठाई,मंच,मीडिया और मुस्कान, जनता की होली-महंगाई,बेरोजगारी और इंतज़ार। वो इंतज़ार कि कभी तो ऐसा रंग आएगा जो सिर्फ भाषण में नहीं,ज़िंदगी में भी दिखेगा।

अंतिम पिचकारी

होली का त्योहार कहता है-सब बराबर हैं, राजनीति कहती है-बराबर? चुनाव तक! इस बार जब रंग लगाएँ, तो एक सवाल भी पूछें-अगली होली तक,क्या विकास सिर्फ पोस्टर पर रहेगा या सच में हमारी गली तक आएगा?

महाव्यंग्य-2

कोरिया सिमटा... अब संभाग में खिलेगा या नाम में घुलेगा?

होली है! रंग उड़ रहे हैं,पिचकारियाँ चल रही हैं,और राजनीतिक गलियारों में नया गुलाल घुल रहा है-कोरिया को संभाग बनाओ! पर जनता पूछ रही है-पहले जो था, उसे क्यों तोड़ा? और जवाब आता है-विकास के लिए! अब वही जनता फिर पूछ रही है-अब जो टूटा है,उसे बड़ा करने का नया फॉर्मूला क्या है?

कोरियाः पहले जिला, फिर विभाजन,अब संभाग का सपना

जब कोरिया टूटा, तब कहा गया-प्रशासनिक सुविधा बढ़ेगी। जब नया जिला बना,तब कहा गया-विकास दौड़ेगा। अब जब कोरिया सिमट गया, तो नई आवाज़ उठ रही है- संभाग बना दो! राजनीति की होली में यह नया रंग है-पहले काटो,फिर जोड़ो,फिर बड़ा बोलो।

होली की पिचकारी में संभाग का रंग

चौपालों में चर्चा है-अगर कोरिया संभाग बना तो विकास की बौछार होगी। पर कुछ लोग फुसफुसा रहे हैं-कहीं ऐसा न हो कि संभाग तो बने, पर नाम बदल जाए! कहीं ऐसा न हो कि कोरिया संभाग का सपना देखते-देखते बोर्ड पर लिखा जाए-सरगुजा-कोरिया संभाग और कोरिया फिर पोस्टर में छोटा पड़ जाए। होली में जैसे रंग मिलकर पहचान खो देते हैं, वैसे ही राजनीति में नाम मिलकर पहचान बदल देते हैं।

टुकड़े करने वाले कितने खुश?

होली के रंग में कुछ चेहरे बहुत चमक रहे हैं, जिन्होंने कोरिया के टुकड़े किए-वे कहते हैं-देखो,हमने प्रशासन को मजबूत किया! पर जनता पूछती है-मजबूत प्रशासन आया या मजबूत पद? कुछ चेहरे संतुष्ट हैं-क्योंकि नई कुर्सियाँ बनीं। कुछ चेहरे उत्साहित हैं- क्योंकि नई पोस्टिंग आई। और कुछ चेहरे चुप हैं-क्योंकि उनके गांव की सड़क आज भी टूटी है।

व्यंग्य की पिचकारी-पहले कहा गया...

जिला छोटा करो,विकास बड़ा होगा। अब कहा जा रहा- संभाग बना दो, क्षेत्र खड़ा होगा। कल शायद कहा जाएगा- राज्य बना दो, सपना बड़ा होगा! राजनीति की होली में हर साल नया रंग आता है, पर जनता के गाल पर वही पुराना सवाल रह जाता है-असल विकास कब?

अंतिम गुलाल

अगर कोरिया संभाग बनता है तो जनता खुश होगी,यह स्वाभाविक है,पर सवाल यह है क्या यह फैसला वास्तव में प्रशासनिक जरूरत से होगा? या फिर होली के मौसम में उड़ता एक और रंगीन वादा होगा? होली सिखाती है रंग लगाओ,दिल मिलाओ,राजनीति सिखाती है रंग बदलो, समीकरण बनाओ, अब देखना यह है, कोरिया का रंग गाढ़ा होगा या फिर किसी बड़े नाम में घुल जाएगा?

महाव्यंग्य-3

टिकट की पिचकारी, कुर्सी का गुलाल और संतों का सियासी कमाल!

होली आई और जिले की राजनीति में ऐसा रंग घुला कि अब पहचानना मुश्किल है- कौन विरोधी है, कौन सहयोगी और कौन भविष्य का योगी!

पूर्व विधायक की रंग वापसी योजना

बैकुंठपुर की पूर्व विधायक अंबिका सिंह देव ने इस बार होली खेलने से पहले ही रणनीति बना ली है, जिन्हें कभी पार्टी से निष्कासित कर किनारे लगाया गया था, आज वही विजय के मुख्य रंग बन गए हैं, राजनीति का नियम बड़ा सीधा है-जब हार मिले, तो भूले हुए रंग भी याद आते हैं। पिछली बार जिनकी अनदेखी भारी पड़ी, इस बार वही चुनावी थाली के सबसे जरूरी रंग हैं, अब पार्टी लाइन थोड़ी ढीली होगी, पर जीत की लाइन सीधी रहेगी!

देवेंद्र तिवारी - संगठन से सिंहासन तक

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी इन दिनों ऐसे सक्रिय हैं जैसे होली में डीजे का वॉल्यूम, उनका फॉर्मूला साफ-पहले संगठन,फिर सत्ता; पहले झंडा,फिर डंडा। युवाओं में पकड़, विधायक से नज़दीकी,राजधानी तक संदेश-मैं तैयार हूँ! जिले में चर्चा है-तिवारी जी अब सिर्फ जिलाध्यक्ष नहीं, भविष्य की बड़ी पारी सोच रहे हैं। होली का रंग जितना गाढ़ा,राजनीति की तैयारी उतनी पक्की।

अशोक जायसवाल-संत या सियासी संतुलन?

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष और कांग्रेस कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल अब गेरुए रंग की तरफ झुकते दिख रहे हैं, धार्मिक आयोजनों में बढ़ती सक्रियता, राजनीतिक दूरी की बातें और दोनों दलों से समान भाव, लोग कह रहे हैं-यह संन्यास है या सॉफ्ट एग्जिट? राजनीति में जब रंग ज्यादा चढ़ जाए,तो कुछ लोग सच में धुल जाते हैं...और कुछ लोग नया रंग चुन लेते हैं।

वेदांती तिवारी - बैर छोड़ो, मंच जोड़ो-

वेदांती तिवारी का बयान होली के अबीर जैसा मुलायम-चुनाव क्षणिक है, जीवन लंबा है। हार की टीस को मुस्कान में बदलना आसान नहीं, पर मंच पर साथ बैठना एक बड़ा संदेश है, यह राजनीति का नया ट्रेंड है- आज विरोध, कल सहयोग। होली सिखाती है- पुराने रंग धो डालो। राजनीति कहती है- पुराने विरोध भूल जाओ... समय आने पर याद भी कर लेना।

योगेश शुक्ला - टिकट दो,जीत लो!

कांग्रेस नेता योगेश शुक्ला ने साफ शब्दों में कह दिया- पार्टी टिकट दे,जीतकर दिखाना मेरा काम! नौकरी छोड़ी,सालों से सक्रिय,अब सीधे हाईकमान को पिचकारी मार दी,उनका संदेश-अब नहीं तो कब? मेरी भी बारी है! जिले में चर्चा-अगर टिकट नहीं मिला,तो रंग कहीं और भी जा सकता है।

होली का असली सवाल

निष्कासित फिर से खास बन रहे हैं, संगठन वाले सत्ता की राह नाप रहे हैं, कोई संत बन रहा है, कोई बैर भूल रहा है, कोई टिकट मांग रहा है, पर जनता अब भी पूछ रही है-हमारे लिए कौन सा रंग बचा है? नेताओं की होली- रणनीति, समीकरण और कुर्सी की तैयारी, जनता की होली- महंगाई, बेरोजगारी और उम्मीद की सूखी पिचकारी।

अंतिम कटाक्ष

इस बार होली में रंग कम नहीं हैं-बस यह तय होना बाकी है कि अगली बार रंग जनता के हाथ में होगा

महाव्यंग्य-4

राज्यसभा की पिचकारी और परंपरा का गुलाल!

(घटती-घटना होली विशेष व्यंग्य)

होली आई नहीं कि सियासत में रंग घुल गया,इस बार रंग थोड़ा खास है. सीधा रायपुर से दिल्ली तक उड़ रहा है,पूर्व उप मुख्यमंत्री टी. एस. सिंहदेव ने होली से पहले ही एक नई पिचकारी भर ली है,दिग्विजय सिंह को छत्तीसगढ़ से राज्यसभा भेजना मेरा लक्ष्य है! अब यह साधारण रंग नहीं है,यह रणनीतिक गुलाल है।

परंपरा का रंग-लोकल नहीं,नेशनल

सिंहदेव जी का कहना है कि कांग्रेस की पुरानी परंपरा रही है, राज्यसभा सीट पर स्थानीय नहीं,राष्ट्रीय चेहरा! मतलब होली में भी वही रंग चलेगा जो दिल्ली से आए,जनता पूछ रही है,हमारे राज्य की सीट है या ट्रांजिट कैंप? पर जवाब साफ है-परंपरा है भाई,परंपरा! राजनीति में परंपरा वही होती है जो वक्त के हिसाब से काम आ जाए।

जनता का सवाल,होली के रंग में डूबी जनता पूछ रही है...

क्या राज्यसभा की सीटें भी रंग एक्सचेंज ऑफर में चलती हैं?

क्या छत्तीसगढ़ में स्थानीय नेताओं की कमी है?

या फिर यह राष्ट्रीय रणनीति का सुपरफास्ट संस्करण है?

भूपेश वाला रंग फीका या पक्का?

सिंहदेव ने दावा कर दिया-भूपेश भी असहमत नहीं होंगे। अब यह होली का सबसे दिलचस्प रंग है,राजनीति में मतभेद ऐसे होते हैं,जैसे सूखा रंग - ऊपर से अलग-अलग,पर पानी पड़ते ही एक हो जाते हैं,तो क्या यह नई एकजुटता का गुलाल है? या होली का अस्थायी मेल-मिलाप?

दिग्विजय की एंट्री-छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस...

दिग्विजय सिंह जी के लिए यह नया टिकट है, गंतव्यः छत्तीसगढ़ राज्यसभा, राजनीति में सीट वही होती है जहाँ समीकरण फिट बैठ जाए,जैसे होली में जिसके पास रंग कम पड़ जाए वो पड़ोसी के घर से भी ले आता है।

अंतिम पिचकारी

होली सिखाती है,रंग मिलाओ,दिल मिलाओ। राजनीति सिखाती है सीट मिलाओ,समीकरण मिलाओ,अब देखना यह है कि यह राज्यसभा का रंग होली के बाद भी टिकेगा या पानी पड़ते ही उतर जाएगा। क्योंकि सियासत की होली में रंग से ज्यादा रंग बदलना मायने रखता है।

महाव्यंग्य-5

आजीवन तहसीलदारः रंग ऐसा चढ़ा कि ट्रांसफर भी शर्मा गया

(घटती-घटना होली विशेष व्यंग्य)

होली का मौसम है...रंग उड़ रहे हैं...और बैकुंठपुर में प्रशासनिक गुलाल कुछ ज़्यादा ही गाढ़ा पड़ गया है। खबर आई है कि बैकुंठपुर की तहसीलदार अब सिर्फ तहसीलदार नहीं रहीं-बल्कि आजीवन तहसीलदार घोषित कर दी गई हैं! कहते हैं राज्य सरकार ने यह ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए माना कि-वर्तमान से उपयुक्त व्यक्ति भविष्य में मिलना असंभव है!अब इसे कहते हैं असली स्थायी रंग।

ट्रांसफर पॉलिसी पर पड़ा पानी

जहाँ आम अफसर साल-दो साल में ट्रांसफर की पिचकारी से भीग जाते हैं,वहीं बैकुंठपुर की तहसीलदार पर ऐसा रंग चढ़ा कि ट्रांसफर लिस्ट भी शर्मिंदा हो गई, सरकारी सूत्रों के अनुसार-जब व्यवस्था जम गई हो,तो क्यों हिलाएं? जनता कह रही है- लगता है होली में इस बार'स्थायित्व गुलाल' का स्पेशल पैक आया है।

मितव्ययता का महान मॉडल

तहसीलदार महोदया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताई जा रही है- वे अन्य जिले से खुद गाड़ी चलाकर रोज कोरिया पहुँचती हैं! वाह! सरकार खुश है-देखिए, वाहन का खर्च अलग से नहीं लग रहा। हाँ, तेल व्यवस्था से मिल जाए तो क्या दिक्कत है? मितव्ययता भी बनी रहे और पदस्थापना भी, जनता का सवाल-लेट-लतीफी भी मितव्ययता का हिस्सा है क्या?

कार्यालय संचालन : किसी तरह चलता रहे...

कार्यालय भले किसी तरह चल रहा हो,लेकिन चल तो रहा है! सरकारी दृष्टिकोण साफ है-जब गाड़ी खुद चल रही है,तो सिस्टम भी चल ही रहा होगा। होली में जैसे रंग आधा लगे,आधा रह जाए, वैसे ही काम भी आधा पूरा,आधा अधूरा-पर घोषणा पूरी।

जनता की सूखी होली

जनता पूछ रही है-आजीवन पदस्थापना का नियम कब बना? क्या यह प्रयोगात्मक प्रशासन है? या फिर यह होली का विशेष ऑफर है? कुछ लोग कह रहे हैं-यह ट्रांसफर सीजन का 'नो-रिफंड पॉलिसी' मॉडल है।

अंतिम कटाक्ष

होली सिखाती है-रंग बदलते रहो, पर बैकुंठपुर की तहसील में लगता है, रंग स्थायी कर दिया गया है, अब देखना यह है आजीवन पदस्थापना का यह रंग अगली होली तक टिकेगा या फिर नई सूची आते ही धुल जाएगा, क्योंकि प्रशासन की होली में रंग से ज्यादा रंग जमाना मायने रखता है।

महाव्यंग्य-6

विकेट पर विकेट : प्रशासन की पिच पर कौन अगला ?

(घटती-घटना होली विशेष व्यंग्य)।

होली का रंग अभी सूखा भी नहीं था कि कोरिया की प्रशासनिक पिच पर एक विकेट गिर गया,कोरिया उत्सव के तुरंत बाद जनपद बैकुंठपुर के सीईओ का पद से हटाया जाना ऐसा लगा मानो रंग खेलते-खेलते अचानक सीटी बज गई हो-आउट! जिला प्रशासन ने इसे तात्कालिक प्रशासनिक निर्णय बताया, पर गलियारों में चर्चा कुछ और ही रंग ले रही है।

विकेट लेने का आत्मविश्वास

चर्चा यह भी है कि एसडीएम बैकुंठपुर का आत्मविश्वास इन दिनों होली के गुलाल से भी ज्यादा गाढ़ा है, लोग कह रहे हैं कि उन्होंने मजाक-मजाक में कहा-अभी और विकेट गिरेंगे...देखते जाओ! अब यह क्रिकेट है या प्रशासन? यह समझना थोड़ा मुश्किल है,होली में जैसे कोई एक-एक कर रंग लगाता जाता है,वैसे ही प्रशासनिक पिच पर एक-एक कर फैसले हो रहे हैं।

खुद को बचाओ, दूसरे को हटाओ ?

जनता के बीच सवाल उठ रहे हैं-क्या यह नियमित प्रक्रिया थी? या जिम्मेदारी का रंग किसी और पर डाल दिया गया? क्या नया चेहरा सिस्टम एडजस्टमेंट का हिस्सा बना? होली में अक्सर लोग अपने कपड़े बचाने के लिए दूसरों पर ज्यादा रंग डाल देते हैं,राजनीति और प्रशासन में भी यह फार्मूला नया नहीं है।

ऊपर तक पहुँच की चर्चा

गलियारों में यह भी कहा जा रहा है कि ऊपर तक बात है...सब समझ लो। जब प्रशासनिक फैसलों के साथ ताकत का रंग मिल जाए,तो अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है कि कौन सच में आउट हुआ और किसने गेंद फेंकी।

आगे और विकेट ?

अगर वाकई विकेट पर विकेट की रणनीति चल रही है,तो आने वाले दिनों में और नाम चर्चा में आ सकते हैं,लेकिन जनता का असली सवाल अलग है-इन सबके बीच विकास का स्कोर कितना है? क्योंकि प्रशासन की होली में अगर सिर्फ विकेट गिरते रहें और रन न बनें तो मैच जीतना मुश्किल होता है।

अंतिम कटाक्ष

होली सिखाती है रंग मिलाओ,रिश्ते निभाओ,प्रशासन सिखाता है फाइल मिलाओ,आदेश निभाओ,अब देखना यह है की यह सिर्फ एक तात्कालिक फैसला था या सच में कोई विकेट अभियान चल रहा है,क्योंकि रंग उतर जाते हैं...पर फैसलों की छाप देर तक रहती है।

महाव्यंग्य-7: कोरिया से कूच

बड़ा जिला,बड़ा सपना और ट्रांसफर का रंग!

(घटती-घटना होली विशेष व्यंग्य)।

होली का मौसम है...रंग उड़ रहे हैं...और कोरिया की प्रशासनिक गलियों में एक नई चर्चा तैर रही है-अब कोरिया में मन नहीं लगता...बड़ा जिला चाहिए! कहा जा रहा है कि कलेक्टर साहिबा का दिल अब छोटे जिले की सीमाओं में नहीं समा रहा। मन बड़े नक्शे,बड़े बजट और बड़े बोर्ड की ओर उछल रहा है।

छोटा जिला,छोटा मन ?

कोरिया जैसे जिले में काम करना आसान नहीं-सीमित संसाधन,सीमित बजट,और सीमित तालियाँ,होली में भी अगर रंग कम पड़ जाए, तो मन करता है बड़े शहर की रंगत में नहा लिया जाए,चर्चा यह भी है कि अब कोरिया नहीं, अगली होली बड़े जिले में खेलनी है।

ट्रांसफर लिस्ट की प्रतीक्षा

हर साल होली के बाद एक और रंग उड़ता है जो ट्रांसफर लिस्ट का रंग होता है, गलियारों में फुसफुसाहट है की नाम लगभग तय है...बस लिस्ट का इंतजार है,राजनीति और प्रशासन में सबसे गाढ़ा रंग वही होता है जो सूची में चढ़ जाए।

अवार्ड का सहारा ?

चर्चाओं में यह भी कहा जा रहा है कि अच्छे काम का अवार्ड रास्ता आसान करता है। सच भी है प्रशासन में उपलब्धियाँ अक्सर अगली पोस्टिंग का टिकट बन जाती हैं, होली में जो सबसे ज्यादा रंगीन दिखे,उसी की फोटो अगले दिन अखबार में छपती है।

अंतिम कटाक्ष

होली सिखाती है,जहाँ हो,वहीं रंग भरो, प्रशासन सिखाता है जहाँ मौका मिले,वहाँ रंग बदलो, अब देखना यह है की कोरिया की यह होली आखिरी है या अगली सूची तक सिर्फ अफवाहों का गुलाल उड़ता रहेगा,क्योंकि ट्रांसफर की राजनीति में सबसे तेज रंग वही है, जो चुपचाप फाइल में चढ़ जाता है।

बड़े जिले का आकर्षण, बड़ा जिला मतलब

बड़ा स्टाफ

बड़ा बजट

बड़ा मीडिया कवरेज

और बड़ी पहचान होली में जैसे बड़ी पिचकारी सबको आकर्षित करती है, वैसे ही बड़े जिले की कुर्सी भी...

जनता की सोच पर ये जनता सोच रही है...

जिला छोटा है तो क्या काम भी छोटा है?

बड़ा जिला ही सफलता का प्रमाण है?

या यह भी होली का एक रंग है जो कुछ दिनों में उतर जाएगा?

महाव्यंग्य-11

सत्ता के गलियारे में 'कलम' का सम्मान : ओंकार पाण्डेय बने निज सचिव

(घटती-घटना होली विशेष व्यंग्य)

छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता जगत से एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक नियुक्ति सामने आई है,वरिष्ठ पत्रकार ओंकार पाण्डेय को महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का निजसचिव नियुक्त किया गया है, यह नियुक्ति केवल एक पदस्थापना नहीं,बल्कि मीडिया से शासन तंत्र तक की यात्रा का संकेत मानी जा रही है-जहाँ 'कलम' अब सीधे नीति-निर्माण के गलियारों में मौजूद होगी।

एक संकल्प जिसने ध्यान खींचा

पदभार ग्रहण करने के साथ ही ओंकार पाण्डेय ने एक ऐसा संकल्प लिया है,जिसने पत्रकारिता जगत में चर्चा तेज कर दी है, उन्होंने प्रदेश के पत्रकारों के लिए प्रति माह ?10,000 की आर्थिक सहायता या मानदेय सुनिश्चित कराने का प्रयास करने की बात कही है।

अनुभव और जिम्मेदारी का संगम

ओंकार पाण्डेय का चयन मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के लिए भी रणनीतिक माना जा रहा है,एक अनुभवी पत्रकार के रूप में उन्हें जनता की नब्ज,मीडिया प्रबंधन और योजनाओं के प्रभावी संप्रेषण की समझ है,महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाएँ - विशेषकर'महतारी वंदन'जैसी पहल-को जमीनी स्तर तक प्रभावी तरीके से पहुँचाने में उनकी भूमिका अहम मानी जा रही है।

यह पहल तीन स्तरों पर महत्वपूर्ण मानी जा रही है...

जमीनी हकीकत की पहचान...

छोटे और मध्यम शहरों में कार्यरत पत्रकारों की आर्थिक स्थिति अक्सर अस्थिर रहती है।

पत्रकारिता की गरिमा...

आर्थिक मजबूती निष्पक्षता और निर्भीकता को बल दे सकती है।

नीतिगत दृष्टिकोण...

एक पत्रकार का शासन के भीतर से इस मुद्दे को उठाना,इसे व्यक्तिगत नहीं बल्कि संरचनात्मक प्रयास का रूप देता है।

सत्ता और मीडिया के बीच सेतु ?

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार,यह नियुक्ति सत्ता और मीडिया के बीच संवाद को मजबूत कर सकती है,जब कोई व्यक्ति,जिसने वर्षों तक सवाल पूछे हों, अब जवाब देने और नीति समन्वय की भूमिका में आता है, तो अपेक्षाएँ स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती हैं।

उम्मीद या चुनौती ?

ओंकार पाण्डेय का 10 हजार रुपये का संकल्प फिलहाल एक घोषणा है, लेकिन अगर यह नीति का रूप लेता है,तो संघर्षरत पत्रकारों के लिए यह राहतकारी कदम साबित हो सकता है,अब नजर इस बात पर रहेगी कि यह पहल किस प्रकार प्रशासनिक प्रक्रिया से गुजरती है और क्या यह वास्तव में पत्रकारों की आर्थिक स्थिति में बदलाव ला पाती है,जब कलम चलाने वाला हाथ नीति निर्धारण में सहयोग करता है, तो उम्मीदें भी साथ चलती हैं।

महाव्यंग्य-8

डीएमएफ का रंग चढ़ा ऐसा... अब सीधे गृहमंत्री के संग...

(घटती-घटना होली विशेष व्यंग्य)।

होली का मौसम है...रंग उड़ रहे हैं...और प्रशासनिक गलियारों में एक नई चर्चा गुलाल की तरह फैल रही है-जो मद का सही उपयोग करे,वही सत्ता के करीब पहुंचे! कहा जा रहा है कि जिला पंचायत कोरिया के सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी की कार्यशैली अब बड़े मंच तक पहुँचने वाली है,चर्चा यह भी है कि उन्हें गृहमंत्री का ओएसडी बनाए जाने की तैयारी है।

डीएमएफ : रंगों की खुली बाल्टी ?

जिले में फुसफुसाहट है की डीएमएफ मद का खुलकर उपयोग हुआ है, अब खुलकर उपयोग का अर्थ अलग-अलग लोग अलग-अलग लगा रहे हैं,कोई कहता है की तेज काम,तेज खर्च,तेज परिणाम! कोई मुस्कुराकर कहता है जहाँ मद हो,वहाँ गति होनी चाहिए,होली में भी अगर रंग बचा रह जाए तो मज़ा नहीं आता,प्रशासन में भी अगर मद पड़ा रह जाए तो रिपोर्ट फीकी लगती है।

कार्यकुशलता का प्रमोशन

राज्य शासन का सूत्र जो बजट को बहता पानी बना दे,वही असली खिलाड़ी,अगर यह चर्चा सही हुई तो संदेश साफ है की उपलब्ध संसाधनों का पूरा उपयोग करो, तभी अगली कुर्सी करीब आएगी,होली का नियम है की रंग खत्म मत होने दो,प्रशासन का नियम है की मद शेष मत रहने दो।

गृह विभाग की नई उम्मीद ?

अगर सच में ओएसडी की भूमिका मिली, तो कहा जा रहा है कि उनकी यही कार्यकुशलता अब गृह विभाग में भी काम आएगी,लोग व्यंग्य में कह रहे हैं-जहाँ फाइल रुकी,वहाँ रंग डालो।

जनता का सवाल,जनता पूछ रही है...

क्या पदोन्नति का पैमाना खर्च की रफ्तार है?
या परिणाम की गुणवत्ता?
क्या बड़े पद के लिए बड़ा उपयोग जरूरी है?

महाव्यंग्य-9

नगर पंचायत पटना

रंगों की राजनीति और सूखी नालियों का सच!

(घटती-घटना होली विशेष व्यंग्य)

होली है... गुलाल उड़ रहा है... पर नगर पंचायत पटना में रंग से ज्यादा रंगदारी की चर्चा है, कहते हैं- यहाँ होली से ज्यादा गर्मी जिलाध्यक्ष बनाम विधायक की अदृश्य लड़ाई में है।

विकास की पिचकारी फंसी कहाँ ?

नगर में लोग पूछ रहे हैं-विकास की फाइल कहाँ अटकी? कहने वाले कहते हैं- विधायक की तरफ से नगर विकास की रफ्तार धीमी है। दूसरी ओर जिलाध्यक्ष के प्रयास भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे। होली में जैसे पिचकारी का नोज़ल जाम हो जाए, वैसे ही यहाँ विकास की धार अटक गई है।

अध्यक्ष की स्थिति-कुर्सी है, पर कंट्रोल नहीं ?

निर्वाचित अध्यक्ष गायत्री सिंह अब खुद चिंतन में बताई जा रही हैं, चुनाव में जीत भले आम समर्थकों के दम पर मिली हो, पर अब निर्णयों की कमान कहीं और दिखाई दे रही है, नगर में विधायक प्रतिनिधियों की सक्रियता इतनी अधिक बताई जा रही है कि लोग मज़ाक में कह रहे हैं-अध्यक्ष हैं...पर अध्यक्षीय अधिकार कहाँ हैं? होली में जैसे रंग सबके हाथ में हो, पर असली बाल्टी एक ही के पास।

सत्ता का संतुलन या असंतुलन ?

राजनीति में अक्सर यह स्थिति बनती है-निर्वाचन एक तरफ, नियंत्रण दूसरी तरफ,नगर पंचायत पटना का हाल कुछ ऐसा ही बताया जा रहा है-कुर्सी एक के पास,रणनीति दूसरे के पास और जिम्मेदारी तीसरे के सिर जनता देख रही है और सोच रही है-हमने किसे चुना था और काम कौन कर रहा है?

होली का असली रंग

नेताओं की होली-रणनीति,समीकरण और शक्ति प्रदर्शन,नगर की होली- टूटी सड़कें,अटकी योजनाएँ और प्रतीक्षा,गुलाल भले उड़ रहा हो,पर नगर के नाले अब भी सूखे नहीं।

महाव्यंग्य-10

आंदोलन से अस्तित्व... अब फोटोग्राफी से जीवित!

(घटती-घटना होली विशेष व्यंग्य)।

होली का मौसम है...रंग उड़ रहे हैं...और राजनीति में एक नया रंग चढ़ा है-रील,फोटो और पोस्ट का रंग। भरतपुर-सोनहत के विधायक गुलाब कमरों का बयान इस बार होली के गुलाल जैसा भावुक है। उन्होंने कहा...पहले आंदोलन करता था,वही मेरा राजनीतिक अस्तित्व था। आज फोटोग्राफी और सोशल मीडिया ही सहारा है। यह बयान सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि बदलती राजनीति का आईना बन गया है।

पहले नारे गूंजते थे,अब नोटिफिकेशन

पहले पोस्टर हाथ से लिखे जाते थे,अब पोस्ट शेड्यूल होते हैं,पहले पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ी जाती थी,अब एल्गोरिदम की बैरिकेडिंग पार करनी होती है,होली में भी अब लोग रंग कम,सेल्फी ज्यादा लेते हैं। राजनीति भी कुछ ऐसी ही हो गई है।

जीवन में विधायक से अब तक का सफर इतना ही ?

गुलाब कमरों का यह भावुक वाक्य-विधायक से अब तक का सफर लगता है इतना ही है राजनीति के बदलते दौर का दर्द भी कहता है,संघर्ष से मिली पहचान अब डिजिटल उपस्थिति से मापी जा रही है,फॉलोअर गिनती जनसमर्थन का नया पैमाना बन गई है।

आंदोलन का रंग फीका क्यों पड़ा ?

एक समय था जब राजनीति की पिच पर धरना,प्रदर्शन, सड़क पर संघर्ष-यही असली रंग थे,नेता की पहचान भीड़ से होती थी,नारे से होती थी,संघर्ष से होती थी,अब पहचान होती है- कैमरे के एंगल से।

होली का रंग और राजनीति का रंग

होली सिखाती है-रंग लगाओ,पास आओ,आज की राजनीति सिखाती है-पोस्ट डालो,टैग कराओ,आंदोलन की धूल में जो पहचान बनी,वह अब फिल्टर से चमकाई जा रही है।

डिस्क्लेमर (होली विशेष व्यंग्यांक)

यह लेख/विशेषांक पूर्णत : व्यंग्यात्मक, काल्पनिक एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति पर आधारित है। इसमें उल्लिखित राजनीतिक संदर्भ,पद,संभावनाएँ,नामों की चर्चा या प्रशासनिक प्रस्ताव केवल सार्वजनिक चर्चाओं,कयासों एवं हास्य-व्यंग्य शैली में प्रस्तुत किए गए हैं,इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति, संस्था, दल या समुदाय की छवि को आहत करना नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श के तहत समसामयिक विषयों पर हल्के-फुल्के व्यंग्य के माध्यम से विचार प्रस्तुत करना है, लेख में व्यक्त विचार लेखक के निजी व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण हैं। वास्तविक निर्णय, प्रशासनिक प्रक्रियाएँ एवं सरकारी नीतियाँ संबंधित प्राधिकरणों द्वारा ही तय की जाती हैं, पाठकों से अपेक्षा है कि इस सामग्री को होली विशेष हास्य-व्यंग्य के रूप में ही ग्रहण करें।

CMYK

होली के गाने ने फिल्म को कर दिया था हिट,आज भी पॉपुलर है ये सॉन्ग

होली का त्योहार एकदम नजदीक आ चुका है। इस फेस्टिव को बड़े ही उत्साह और क्रेज के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। होली और फिल्मों में होली के गीतों का नाता दर्शकों के बेहद करीब लेकर आता है। काफी समय से सिनेमा जगत में होली को लेकर मस्त गाने को बनाता रहा है, इन गीतों के बिना रंगों का त्योहार भी फीका लगता है। इस लेख में हम आपको होली के उस गीत के बारे में बताने जा रहे हैं, जो इस गाने की वजह से फिल्म हिट हुई थी। 43 साल भी इस गाने के बिना होली जश्न अधूरा है।

होली का सबसे पॉपुलर गीत

होली के ऊपर कई सारे गाना बॉलीवुड में बन चुके हैं, लेकिन इस गाने के बारे में हम यहां बताने जा रहे हैं। यह गाना आज भी सभी का फेवरेट है । यह गाना फिल्म नदिया के पार का है, जिसे 1982 में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। इस गाने के बोल है जुगी जी धीरे-धीरे है और यह गाना आज भी होली के जश्न के लिए बेहद खास होता है।

आज भी ये गाना होली सेलिब्रेशन में बजाया जाता है...

हर होली पार्टी और सेलिब्रेशन में ये गाना जरुर बजता है। लोग बड़ी मौज-मस्ती के साथ इस गाने पर नाचते हैं। संगीतकर रवींद्र जैन की कलम से नादिया के पार के इस सॉन्ग के लिरिक्स निकले, साथ अपने शानदार संगीत से इस गाने को शानदार बना दिया है।

हिट हुआ था ये होली सॉन्ग

आपको बता दें कि फिल्म नदिया के पार के साथ-साथ ये होली का गीत सुपरहिट हुई थी। आज भी हिंदी सिनेमा के होली टॉप सॉन्ग में जुगी जी धीरे-धीरे का नाम जरुर शामिल है। इससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये गीत आज भी लोकप्रिय है।

यूएई से सुरक्षित देश लौटीं सोनल चौहान और ईशा गुप्ता, बताई मिसाइल हमलों के बीच फंसे रहने की भयावह कहानी

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण अबू धाबी एयरपोर्ट पर फंसी थीं। ईरान ने यूएई को भी निशाना बनाया था। ईशा अब वापस सुरक्षित इंडिया लौट आई हैं, पर घंटों एयरपोर्ट पर फंसे होने की भयावह आपबीती सुनाई है।एक्ट्रेस ईशा गुप्ता अबू धाबी में फंसी थीं और घर वापस लौटने की कोशिश कर रही थीं, और अब वह वापस इंडिया लौट आई हैं। फैंस को सोशल मीडिया के जरिए यह खुशखबरी दी है। मालूम हो कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चार दिनों से चल रहे युद्ध के कारण मिडल ईस्ट में हालात बुरी तरह बिगड़े हुए हैं। उड़ानें रद्द हैं, एयरस्पेस बंद हैं, जिसके कारण कई भारतीय और सेलिब्रिटीज दुबई में फंस गए। ईशा गुप्ता भी अबू धाबी में थीं और वहीं फंस गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर वहां के हालात के बारे में जानकारी देते हुए लिखा था कि बहुत ही डरावना वक्त है। हालांकि, अब खुशी की बात यह है कि ईशा गुप्ता भारत वापस अपने घर लौट आई हैं।

बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी....13 साल पहले दीपिका पादुकोण ने रणबीर कपूर से की थी शिकायत

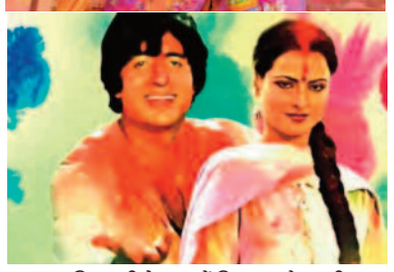

बलम पिचकारी के शूट में चिढ़ गए थे रणबीर कपूर,डायरेक्टर को उठाकर पूल में दिया था फेंक

होली के गानों की बात होती है, तो एक गाना जो सबसे ज्यादा सुना जाता है वो है बलम पिचकारी,जो साल 2013 में रिलीज हुआ था। लेकिन आज भी इस गाने का अलग ही क्रेज है। लेकिन जानते हैं कि इस गाने की शूटिंग के दौरान रणबीर बहुत टॉर्चर हुए थे। वह हर शॉट के बाद नहाते और कह दिया था कि उन्हें रेमो और प्रीतम से नफरत है।

पहले जब भी होली की बात होती थी रंग बरसे भीगे चुनर वाली और अंग से अंग लड़ाना जैसे गाने जुबां पर चढ़ जाते थे और खूब बजाए भी जाते थे,लेकिन अब बलम पिचकारी गाने का दबदबा है। यह गाला 2013 में आई रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण स्टारर ये जवानी है दीवानी फिल्म का है,पर 13 साल बाद भी यह होली के त्योहार में और जोश भर देता है। हर होली पर बलम पिचकारी की धूम देखी जाती है। गाना बजता है और लोग रंग-गुलाल के साथ इसके नशे में खो जाते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि बलम पिचकारी जैसा सुपरहिट गाना कैसे बनाया गया था? इसके बनने के पीछे की कहानी क्या है और कलाकारों की क्या हालत हो गई थी? चलिए आपको बताते हैं-

वैसे, आपको जानकर हैरानी होगी कि रणबीर कपूर पहले बलम पिचकारी गाने के लिए राजी नहीं थे। वो इस गाने की वजह से चिढ़ गए थे और कह दिया था कि यह लोगों को पसंद नहीं आएगा। लेकिन आज कहानी उल्टी है। आज बलम पिचकारी ही ऐसा गाना है,जो होली पर सबसे ज्यादा सुनाई देता है और लोग डांस करते हैं।

चिढ़ गए थे रणबीर,हर शॉट के बाद जाते थे नहाने

रणबीर कपूर तो बलम पिचकारी शूट करते वक्त इस कदर परेशान हो गए थे और चिढ़ गए थे कि हर शॉट के बाद रंग उतारने और नहाने चले जाते थे। गाने के मेकिंग वीडियो में भी डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने बताया कि रणबीर को रंग और भीगे रहना बिल्कुल पसंद नहीं है और वह इस गाने के शूट के दौरान एकदम टॉर्चर हो गए थे। वीडियो में भी रणबीर कई जगह बार-बार चेहरे को धोते, रंग हटाते नजर आ रहे हैं। एक जगह तो वह नहाने के बाद तौलिया लपेटकर बैठे हैं और सबको देख रहे हैं।

रणबीर ने सबको दी थीं गालियां,कहा-रेमो और प्रीतम से नफरत है...

रणबीर को भी कहते हुए सुना जा सकता है कि कोई इस गाने को पसंद नहीं करेगा। वीडियो में वह बोल रहे हैं, ये गाना किसी को भी पसंद नहीं आएगा। पूरे दिन हम रंग में डूबे हुए थे। इतना गंदा लग रहा था। मुझे रेमो से नफरत है, प्रीतम से नफरत है। आज मुझे सबसे नफरत हो रही है। अगर कोई सबसे बड़ा बेवकूफ है तो वह अयान है। यही नहीं, रणबीर वीडियो में टीम के बाकी लोगों को गाली देते भी नजर आए, जिसे बीप कर दिया गया।

रणबीर ने डायरेक्टर और एड्स को उठाकर पानी में फेंक दिया...

इसके बाद रणबीर ने डायरेक्टर अयान मुखर्जी के साथ-साथ फिल्म के सभी असिस्टेंट डायरेक्टर्स को उठाकर रंग घुले पानी से भरे पूल में फेंक दिया था। दरअसल, अयान मुखर्जी ने बलम पिचकारी की शूटिंग के दौरान एक चालाकी की थी। उन्होंने सभी डांसर्स से कहा कि शूट के दौरान वो रणबीर पर एक साथ रंग फेंकें। उस वक्त तो रणबीर को इस बारे में पता नहीं था, लेकिन जैसे ही मालूम हुआ कि इसमें अयान का हाथ है, तो उन्होंने उन्हें उठाकर पानी से भरे पूल में फेंक दिया।

शूट के बीच छुपकर भांग पीते थे रणबीर

रणबीर ने अपनी फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के प्रमोशन के दौरान बताया था कि बलम पिचकारी को शूट करने में काफी मुश्किलें हुई थीं क्योंकि गाने में बहुत सारे डांसर्स थे और तेज धूप भी थी। रणबीर ने यह भी बताया था कि वह, दीपिका, आदित्य और कल्कि सेट पर सभी से छुपकर भांग पीते थे।

बलम पिचकारी गाने को 12 साल में 482 मिलियन व्यूज

बलम पिचकारी गाने की बात करें, तो 12 साल में इसे 482 मिलियन व्यूज मिले हैं। इस गाने को रेमो डिसूजा ने कोरियोग्राफ किया था और म्यूजिक प्रीतम ने दिया था। गाने की पॉपुलैरिटी को देखते हुए दो दिन पहले ही इसे यूट्यूब पर एक बार फिर अपलोड किया गया और उसे भी अभी तक 904 के व्यूज मिल चुके हैं।

बॉलीवुड में ऐसे कई नगीने हैं जिन्होंने त्योहारों के रंग में और खुमार जोड़ा है। खासतौर से होली के त्योहार पर तो फिल्मों में एक से बढ़कर एक पुराने और नए डांस नंबर मिलते हैं। इनमें से एक था शाहरुख-ऐश्वर्या का गाना।

होली पर रंग,मिठाइयां और नए कपड़े के साथ उल्लास देखने को मिल रहा है। होली पर बने सदाबहार गानों के बिना यह त्योहार सादा है। होली अधूरी लगती है बिना उन गानों के जो पीढ़ियों से लोगों को झूमने पर मजबूर करते हैं। बॉलीवुड ने होली पर ढेरों यादगार गाने दिए हैं जिनमें से कुछ क्लासिक हैं तो कुछ ट्रेंडिंग हैं। इन सदाबहार गानों की खासियत है कि ये गाने हर उम्र के लोगों को एक साथ लाते हैं और जश्न को और भी यादगार बना देते हैं। चाहे पुरानी फिल्मों की मिठास हो या नई फिल्मों का जोश,ये सभी होली का रंग गाढ़ा कर देते हैं।

55 साल पुराना गाना आज ही होली एंथम

'बद्री की दुल्हनिया गाना फिल्म बदरीनाथ की दुल्हनिया का है,जो साल 2017 में रिलीज हुई थी. वरुण धवन और आलिया भट्ट की जोड़ी ने इस गाने में होली का जोश दिखाया देव नेगी,नेहा कक्कड़,मोनाली ठाकुर की आवाज से सजे गाने को पसंद किया जाता है। फिल्म कटी पतंग का 'खेलेंगे हम होली गाना कभी पुराना नहीं हुआ। साल 1971 में रिलीज फिल्म के इस गाने में राजेश खन्ना और आशा पारेख की केमिस्ट्री देखने को मिली और ग्रामीण होली की खूबसूरती भी झलकती है। गाने को लता मंगेशकर, किशोर कुमार ने आवाज दी है। इस गाने में दो मूड देखने को मिलते हैं लेकिन फिल्म का हाई पॉइंट है जब हीरो खेलेंगे हम होली कहता है। ये गाना आज भी उतना ही फ्रेश और नया लगता है। हम शर्त लगा सकते हैं ऐसा हो ही नहीं सकता कि आपने ये गाना ना सुना हो।

26 साल साल पहले शाहरुख और ऐश्वर्या का होली वाला गाना

साल 2000 में आई मल्टीस्टारर फिल्म मोहब्बतें का 'सोनी सोनी अखियों वाली गाना होली के रंगों में रोमांस की मिठास भरता है। उदित नारायण, जसपिंदर नरुला के गाने को आज भी पसंद किया जाता है। इस गाने में बाकी

जोड़ियों के अलावा हाईलाइट को शाहरुख खान और ऐश्वर्या का रोमांस ही था।

इसके अलावा,साल 1977 में आई फिल्म आपबीती का 'नीला पीला हरा गुलाबी मजेदार गाना होली पार्टी का मूड बनाता है। वहीं, ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के धमाकेदार डांस वाला गाना 'जय जय शिवशंकर 2019 में आई फिल्म वॉर का है। इस लिस्ट में अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा की मौज-मस्ती भरा गाना 'लेट्स प्ले होली भी है,जो साल 2005 की फिल्म वक्त का है।

बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी...

ये शब्द पढ़कर ही आपको दीपिका पादुकोण और रणबीर सिंह का रंगों से सराबोर चेहरा याद आ गया होगा। होली के रंगों को गाढ़ा करने वाले इस गाने की मस्ती 13 साल से चल रही है। दीपिका पादुकोण,रणबीर कपूर स्टारर ये जवानी है दीवानी का 'बलम पिचकारी यूं तो हर मूड में अच्छा लगता है लेकिन होली के त्योहार पर तो ये कुछ खास ही लगता है। बात करें इसकी पॉपुलैरिटी की तो 13 साल पहले यूट्यूब पर रिलीज किए इस गाने को यूट्यूब पर 282 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।

वहीं सिलसिला से अमिताभ बच्चन और रेखा का यह क्लासिक गाना 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली आज भी फुल वॉल्यूम पर बजता है। बात होली के गानों की हो तो 'जोगी जी धीरे धीरे फिल्म नदिया के पार के गाने को भी नहीं भूला जा सकता।

शोले फिल्म का 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं, मदर इंडिया का 'होली आई रे कन्हाई,बागबान का 'होली खेले रघुबीरा गाना परिवार के साथ होली का मजा दोगुना करता है। इसमें 'होलिया में उड़े रे गुलाल लोकप्रिय होली गीत के साथ ही जूही चावला,सनी देओल और शाहरुख खान की फिल्म डर का ऐसे रंग लगाना भी शामिल है।

खेल समाचार

भारत-इंग्लैंड सेमीफाइल मैच में गैफनी और पालेकर होंगे फील्ड अंपायर

मुंबई में होगा मुकाबला;भारत के नितिन पहले सेमीफाइनल में थर्ड अंपायर होंगे...

मुंबई,03 मार्च 2026। भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। आईसीसी ने दोनों सेमीफाइनल के लिए मैच अंपायर और ऑफिशियल्स की घोषणा कर दी है। भारत के मुकाबले में ऑन-फील्ड अंपायर क्रिस गैफनी और अल्लाहुद्दीन पालेकर होंगे। वहीं, रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले पहले सेमीफाइनल में फील्ड अंपायर होंगे। जबकि थर्ड अंपायर भारत के नितिन मेनन होंगे।

पहला सेमीफाइनल-साउथ अफ्रीका व्हीएस न्यूजीलैंड

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल 4 मार्च को कोलकाता में खेला जाएगा, जहां साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले में ऑन-फील्ड अंपायर की जिम्मेदारी रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ संभालेंगे, जबकि थर्ड अंपायर नितिन मेनन होंगे। फोर्थ अंपायर के रूप में रॉड टकर मौजूद रहेंगे और मैच रेफरी की भूमिका जवागल श्रीनाथ निभाएंगे।

दूसरा सेमीफाइनल-भारत व्हीएस इंग्लैंड

दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मार्च को मुंबई में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में ऑन-फील्ड अंपायर क्रिस गैफनी और अल्लाहुद्दीन पालेकर होंगे, जबकि थर्ड अंपायर की जिम्मेदारी एड्रियन होल्डस्टॉक संभालेंगे। चौथे अंपायर के रूप में पॉल राइफल मौजूद रहेंगे और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट होंगे।

गैफनी भारत के मैच में अंपारिंग कर चुके

दोनों टीमें 2024 में भी सेमीफाइनल में आमने-सामने हुई थीं,जहां भारत ने 68 रन से शानदार जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में भी क्रिस गैफनी अंपायर की भूमिका में मौजूद थे। मौजूदा टूर्नामेंट में अब तक गैफनी भारत के साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबलों में भी ऑन-फील्ड अंपायर रह चुके हैं। भारत और इंग्लैंड आईसीसी टूर्नामेंट में पांचवीं बार सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। अब तक खेले गए 4 मुकाबलों में दोनों टीमें 2-2 जीत के साथ बराबरी पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने इंग्लैंड को जब भी सेमीफाइनल में हराया, देश तब खिताब जीतने में भी कामयाब रहा।

पीव्ही सिंधु सकुशल भारत वापस आई

यात्रा में रुकावट के कारण ऑल इंग्लैंड ओपन से बाहर

बैंगलोर,03 मार्च 2026। ओलंपिक मेडलिस्ट और इंडियन स्टार बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधु सेफ अपने घर पहुंच गई हैं। पता चला है कि गल्फ रीजन में एयरस्पेस बंद होने की वजह से सिंधु दुबई एयरपोर्ट पर फंसी हुई थीं। बर्मिंघम में होने वाली ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में हिस्सा लेने गई सिंधु ईरान हमलों के बाद दुबई में फंस गई थीं। हालांकि,सिंधु ने आज अपने एक्स अकाउंट पर बताया कि वह सेफ अपने घर बैंगलोर पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिन एक्साइटिंग और कन्फ्यूजिंग रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने घर पहुंचकर खुशी हो

रही है। उन्होंने दुबई अथॉरिटीज,एयरपोर्ट स्टाफ और इमिग्रेशन ऑफिशियल्स का दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में उन्होंने बहुत ध्यान रखा। सिंधु ने अपने ट्वीट में कहा,अब उन्हें आराम करने, अपनी एनर्जी वापस पाने और अगले कदम उठाने की जरूरत है।

ईरानियन महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी एशियन कप के पहले मैच में राष्ट्रगान गाने से मना कर दिया

गोल्ड कोस्ट,03 मार्च 2026। ईरान की महिला नेशनल सॉकर टीम ने महिला एशियन कप के पहले मैच के दौरान साइलेंट प्रोटेस्ट किया, क्योंकि उन्होंने अपना नेशनल एंथम गाने से मना कर दिया, जो गोल्ड कोस्ट के सीबस सुपर स्टेडियम में स्पीकर पर बजाया जा रहा था। साउथ कोरिया के खिलाफ मैच से पहले, खिलाड़ी मैच से पहले अपनी रूटीन लाइन में थे, जब ईरान का नेशनल एंथम बजना शुरू हुआ, किसी भी ईरानी खिलाड़ी या हेड कोच मरज़ियाह जाफरी ने साथ में नहीं गाया क्योंकि वे सीधे आगे देख रहे थे और मुश्किल से हिल रहे थे।

यह साइलेंट प्रोटेस्ट ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के इजरायली और अमेरिकी हमलों में मारे जाने के बाद हुआ। रविवार को मीडिया द्वारा पूछताछ के दौरान, ईरान की कैप्टन ज़हरा घनबारी और जाफरी से खामेनेई की मौत के बारे में पूछा गया। ईएसपीएन के मुताबिक, सवाल को तुरंत टाल दिया गया। जाफरी ने फारसी में जवाब दिया, लेकिन एएफसी मीडिया के एक रिप्रेजेंटेटिव ने बिना किसी ट्रांसलेशन के उनके जवाब को काट दिया। ठीक है, मुझे लगता है कि आपका सवाल बस इतना ही है। पूछने के लिए धन्यवाद। चलिए अब सिर्फ़ गेम पर ही ध्यान देते हैं, मीडिया प्रतिनिधि ने सवाल जारी रखने से पहले कहा।

हालांकि, मैच साउथ कोरिया के पक्ष में गया क्योंकि चोई यू-री के पहले हाफ़ के गोल और फिर ब्रेक के बाद किम हाय-री और को यू-जिन के गोल ने जीत पक्की कर दी।

पिता के निधन के बाद गंभीर ने रिंकू का साथ दिया,पूरी टीम आपके साथ है...

मुंबई,03 मार्च 2026। इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने रिंकू सिंह की तारीफ़ की कि उन्होंने अपने पिता की मौत के ठीक एक दिन बाद टीम में वापस आकर बहुत हिम्मत दिखाई। गंभीर ने कहा कि इस मुश्किल समय में पूरी टीम रिंकू के साथ खड़ी है। गंभीर ने रविवार को मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ़ इंडिया के टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफ़ाइनल मैच से पहले स्पीच में हिस्सा लिया। स्पीच शुरू होने से पहले, गंभीर ने रिंकू को एक दिल को छू लेने वाला मैसेज दिया। बोर्ड ऑफ़ कंट्रोल फ़ॉर क्रिकेट इन इंडिया द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में गंभीर ने कहा,दोस्तों,शुरू करने से पहले,रिंकू,टीम में आने और शामिल होने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए। एक बात याद रखना, तुम अकेले नहीं हो। इस समय पूरी टीम तुम्हारे साथ खड़ी है,इसलिए मज़बूत रहो। रिंकू के पिता,खानचंद का शुक्रवार को लिवर कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया। 21 फरवरी को हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्रेटर नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था और शुक्रवार सुबह उनकी मौत से पहले वे वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे।

प्लिमर जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर,बेला जेम्स टीम में शामिल

वेलिंगटन,03 मार्च 2026। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर कंधे की चोट के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गई हैं। बेला जेम्स वनडे सीरीज के लिए प्लिमर की जगह लेंगी, जिन्हें रविवार को तीसरे टी20 से पहले प्लिमर के इंजरी कवर के तौर पर बुलाया गया था। हेड कोच बेन सॉयर ने कहा, जॉर्जिया हमारे लिए टॉप ऑर्डर में एक अहम खिलाड़ी हैं। वह ग्रुप में जो ऊर्जा लाती हैं। हम सच में उनकी कद्र करते हैं, इसलिए यह दुख की बात है कि वह आगामी सीरीज नहीं खेल पाएगी। बेला जेम्स ने दिसंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था और उनके खिलाफ दो मैच खेले थे। वह पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप टीम का भी हिस्सा थीं, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं बना सकीं। सॉयर का मानना है कि जेम्स टीम में

आने के लिए फिट हैं। उन्होंने कहा, बेला एक बेहतरीन क्रिकेटर हैं जिन्होंने अपने करियर में अब तक लगभग 100 लिस्ट-ए मैच खेले हैं। ये अनुभव बहुत कीमती है। वह आसानी से टीम में वापस फिट हो जाएंगी। नेंसी पटेल और इजी शार्प को भी ग्रुप में रखा गया है, और अगर उन्हें चुना जाता है तो वे अपने-अपने वनडे डेब्यू करेंगी। नेंसी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में पांच विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, शार्प ने नाबाद 18 और नाबाद 22 रन की पारी खेली थी। 5 मार्च से होने वाले तीन वनडे मैच आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप 2025-2029 साइकिल का हिस्सा हैं। वनडे सीरीज से पहले दोनों देशों ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज खेली, जिसमें न्यूजीलैंड ने 3-0 से क्लीन स्वीप किया। अब मेजबान टीम का लक्ष्य टी20 सीरीज में भी क्लीन स्वीप करना होगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की महिला टीमः-

अमेलिया केर,इजी गेज,मैडी ग्रीन ब्रूक हॉलिडे,ब्री इलिंग,पॉली इंग्लिस,बेला जेम्स,जेस केर, एम्मा मैकलियोड, रोजमेरी मायर, नेंसी पटेल,मौली पेनफोल्ड, इजी शार्प।

मेकाहारा में आज ओपीडी बंद इमरजेंसी सर्विस नहीं होगी प्रभावित

रायपुर सहित सात बड़े स्टेशनों पर बनाए गए अस्थाई हेल्थ पोस्ट,7 मार्च तक 24 घंटे मिलेगी सर्विस

रायपुर,03 मार्च 2026। होली पर्व के दौरान यात्रियों और आम नागरिकों की बढ़ती आवाजाही व संभावित आपात स्थितियों को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और राजधानी रायपुर के प्रमुख सरकारी अस्पतालों ने विशेष स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्थाएं की हैं। रेलवे स्टेशनों पर जहां अस्थायी प्रथम उपचार पोस्ट शुरू किए गए हैं। वहीं अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाओं को और मजबूत किया गया है। मेकाहारा में 4 मार्च को ओपीडी बंद रहेगी। लेकि इमरजेंसी सर्विस प्रभावित नहीं होगी। वहीं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने होली के मद्देनर 01 मार्च से 07 मार्च 2026 तक यात्रियों की सुविधा के लिए इतवारी,गोंदिया,उसलापुर,रायगढ़,शहडोल,रायपुर और दुर्ग रेलवे स्टेशनों पर अस्थायी प्रथम उपचार पोस्ट स्थापित की हैं। त्योहार के दौरान यात्रियों की संख्या में होने वाली बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए इन केंद्रों पर आवश्यक दवाइयों, प्राथमिक चिकित्सा उपकरणों और प्रशिक्षित चिकित्सकीय स्टाफ की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अस्वस्थता, चोट या आकस्मिक स्थिति में यात्रियों को त्वरित प्राथमिक उपचार दिया जाएगा, जबकि गंभीर मामलों में नजदीकी रेलवे एवं सरकारी अस्पतालों से समन्वय कर तत्काल रेफरल की व्यवस्था की जाएगी। इधर, राजधानी के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में भी होली को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने चिकित्सकों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ सहित सभी विभागों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। संभावित दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों को देखते हुए इमरजेंसी सेवाओं के निर्बाध संचालन पर विशेष जोर दिया गया है।

चेक बाउंस मामले में पक्षकारों ने आत्मदाह की दी धमकी...हाईकोर्ट ने कहा- यह अदालत को धमकाने जैसा कृत्य

बिलासपुर,03 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक अवमानना मामले की सुनवाई के दौरान न्यायिक मर्यादा और अनुशासन को सर्वोपरि बताया है। दरअसल दो पक्षकारों ने कोर्ट परिसर में आत्मदाह करने की धमकी दी थी। इस मामले में हाईकोर्ट ने दोनों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। इस मामले में दोनों ने निचली अदालत में लिखित रूप में तो खेद जताया, लेकिन मौखिक रूप से यह तर्क दिया कि वे केवल क्षमा मांग रहे हैं, माफी नहीं। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा के कोर्ट में चेक बाउंस के मामले में गजेंद्र सिंह और सुशीला सिंह के खिलाफ मामला चल रहा है। बलौदाबाजार के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने हाई कोर्ट को एक शिकायत भेजी थी, इसमें बताया कि दोनों अभियुक्तों ने न केवल अदालत की कार्यवाही में व्यवधान डाला, बल्कि पीठासीन अधिकारी को एक लिखित नोटिस भी दिया। इस नोटिस में अधिकारी के विरुद्ध बेहद अपमानजनक,अभद्र और मानहानि करने वाले आरोप लगाए गए थे। इस पत्र पर हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया। 26 नवंबर 2025 को जारी आदेश में हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपियों का यह कृत्य सीधे तौर पर आपराधिक अवमानना की श्रेणी में आता है। हालांकि बाद में दोनों ने कोर्ट से माफी मांगी। पीठासीन अधिकारी ने हाईकोर्ट को भेजी गई जानकारी में बताया कि गजेंद्र सिंह ने कोर्ट में कहा- हम क्षमा मांग रहे हैं, माफी नहीं मांग रहे हैं। माफी अपनी गलती की मांगी जाती है और क्षमा अपने से बड़ों से मांगी जाती है।

राज्यसभा चुनाव के लिए लक्ष्मी वर्मा बनाई गईं भाजपा उम्मीदवार

महिला आयोग की सदस्य हैं,नारायण चंदेल और डॉ. बांधी भी रेस में थे शामिल

रायपुर,03 मार्च 2026। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने राज्यसभा के चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। छत्तीसगढ़ से पार्टी ने लक्ष्मी वर्मा को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। भाजपा ने कई राज्यों के उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा के नाम पर मुहर लगाई गई है। पार्टी नेतृत्व ने संगठनात्मक अनुभव,सामाजिक समीकरण और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। लक्ष्मी वर्मा लंबे समय से पार्टी की सक्रिय कार्यकर्ता रही हैं और विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुकी हैं। राज्यसभा की इस सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया निर्धारित तिथि पर शुरू होगी।

राज प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्य समिति (2010 से 2014 तक) के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा कार्य समिति का सदस्य (2010 से 2022 तक) नियुक्ति किया गया। उनके कार्यों को ध्यान में रखते हुए उन्हें पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश उपाध्यक्ष (2021 से 2025 तक) नियुक्त किया। इसके साथ (2021 से 2024 तक) उन्हें गरियाबंद संगठन प्रभारी के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी मीडिया प्रवक्ता का भी दायित्व संभाला।

राजनीतिक सफर

बलौदाबाजार जिले के सिमगा ब्लॉक के ग्राम मुड़पार की निवासी लक्ष्मी वर्मा का राजनीतिक सफर बहुत लंबा है। वर्ष 1990 से भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्य लक्ष्मी वर्मा ने 2000 में रायपुर सांसद रमेश बैस की सांसद प्रतिनिधि नियुक्त की गईं। अगले ही साल 2001 में उन्हें भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा कार्य समिति की सदस्य चुना गया। इस दायित्व को उन्होंने चार साल तक संभाला। पार्टी के भीतर उनकी सक्रियता का फल भी मिला, 2010 में उन्हें भारतीय जनता पार्टी पंचायती

संवैधानिक सफर

लक्ष्मी वर्मा 1994 में रायपुर नगर पालिका निगम में वार्ड नं. 07 से पार्षद निर्वाचित हुईं। 2010 में रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। 2019 में एफएसएनएल स्टील मिनिस्ट्री गवर्नमेंट ऑफ इंडिया में स्वतंत्र निदेशक के तौर पर काम किया। वहीं 7 अक्टूबर 2024 से छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य संवैधानिक पद संभाल रही हैं।

'मातृशक्ति' को प्राथमिकता

राजनीतिज्ञ जानकारों के मुताबिक, पार्टी इस बार 'मातृशक्ति' को प्राथमिकता देने के मूड में थी। ऐसे में लक्ष्मी वर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा था। संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका और महिला वर्ग में पकड़ को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने सकारात्मक संकेत दिए।

चंदेल-बांधी भी मजबूत दावेदार थे...

नारायण चंदेल और डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी भी मजबूत दावेदार माने जा रहे थे। दोनों का संगठनात्मक अनुभव और राजनीतिक पृष्ठभूमि मजबूत है, लेकिन महिला प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता देने की रणनीति ने समीकरण बदल दिए। इससे पहले शुरुआती पैनल में लक्ष्मी वर्मा,नारायण चंदेल,सरोज पांडेय,भूपेंद्र सवन्नी,किरण बघेल, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी और निर्मल का नाम शामिल था। विचार-विमर्श के बाद तीन नाम शॉर्टलिस्ट किए गए थे।

छत्तीसगढ़ में 6 थानों को विशेष अधिकार

अपने जिलों में करेंगे एससी/एसटी एक्ट के मामलों की जांच,सरकार ने जारी की अधिसूचना

रायपुर,03 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ सरकार ने कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में बड़ा प्रशासनिक निर्णय लेते हुए प्रदेश के 6 पुलिस थानों को विशेष रूप से अधिसूचित किया है। राजपत्र में प्रकाशित आदेश के अनुसार, ये थाने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत दर्ज मामलों की जांच अपने-अपने पूरे जिले में करेंगे। यह अधिसूचना 23 फरवरी 2026 को जारी की गई थी, जिसे 26 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित किया गया।

इन थानों को मिला अधिकार

- अजाक पुलिस थाना गौरेला-पेंड्रा-मरवाही
- अजाक पुलिस थाना सक्ती
- अजाक पुलिस थाना सारंगढ़-बिलाईगढ़
- अजाक पुलिस थाना मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी
- अजाक पुलिस थाना मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी
- अजाक पुलिस थाना खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

क्या होगा असर?

एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम से जुड़े मामलों की जांच अब नामित थाने ही करेंगे। संबंधित जिलों में एक ही थाना पूरे जिले के मामलों को देखेगा। सरकार का यह कदम अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग से जुड़े मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में लिया गया है।

पासपोर्ट ऑफिस को 12 बम से उड़ाने की धमकी

दफ्तर की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर मेल आया,बम-डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची

रायपुर,03 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सिविल लाइन इलाके में स्थित पासपोर्ट कार्यालय को ई-मेल के जरिए 12 बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा मेल कार्यालय की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर मिली है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सिविल लाइन थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मेल भेजने वाले शख्स ने खुद को तमिलनाडु का निवासी बताया है। सूचना के बाद पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची और कार्यालय परिसर की सघन जांच की। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे कार्यालय को तत्काल खाली करा लिया गया। कर्मचारियों और वहां मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जांच के दौरान अब तक किसी भी तरह का विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। फिलहाल पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए ई-मेल आईडी और आईपी एड्रेस के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साइबर सेल की मदद से धमकी देने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

रायपुर में होली में नशे में मिले ड्राइवर...130 वाहन जब्त

नियम तोड़ने वाले पैदल गए घर,नाकेबंदी में जांच के बाद अफसरों का एक्शन

रायपुर,03 मार्च 2026। रायपुर में होली से पहले शहर में नशे में वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। विशेष अभियान के तहत 130 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर उनकी गाड़ियां जब्त कर ली गईं। कई चालक कार्रवाई के बाद पैदल ही घर लौटते नजर आए। होली त्योहार को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर यह अभियान चलाया गया। शराब के नशे में तेज रफ्तार वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त यातायात और प्रोटोकॉल विकास कुमार के मार्गदर्शन में शहरभर में 42 चेकिंग पॉइंट लगाए गए।

देर रात तक चेकिंग

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला और दौलत राम पोर्ते के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्तों की टीम ने शाम से देर रात तक जांच अभियान चलाया। सभी चेकिंग पॉइंट पर ब्रीथ एनालाइजर मशीन से वाहन चालकों की जांच की गई। जांच के दौरान 130 वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए।

गाड़ियां जब्ती की कार्रवाई : इस कार्रवाई में 39 कार, 73 बाइक, 3 ट्रक, 15 टाटा एस पिकअप और ई-रिक्शा शामिल हैं। सभी के खिलाफ मोटरयान अधिनियम की धारा 185 के तहत कार्रवाई करते हुए वाहनों को जब्त किया गया। जब्त वाहन यातायात मुख्यालय और संबंधित थानों में सुरक्षित रखे गए हैं।

नाकेबंदी प्वाइंट लगाकर अफसर कर रहे जांच : पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इन प्रकरणों को होली के बाद न्यायालय में पेश किया जाएगा। शराब पीकर वाहन चलाने पर प्रत्येक मामले में 10 हजार से 15 हजार रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि होली तक विशेषकर रात के समय नियमित चेकिंग जारी रहेगी और नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीएमएफ फंड खर्च पर बवाल...जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लिए बिना कार्य स्वीकृति पर सांसद-विधायक भड़के,अफसरों से पूछा...किसकी मंजूरी से हुए काम

गरियाबंद,03 मार्च 2026। जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) समिति की बैठक लंबे अंतराल के बाद आयोजित हुई, लेकिन शुरुआत से ही माहौल गरमा गया। अफसरों द्वारा पिछली कार्ययोजना का एजेंडा प्रस्तुत किया जा रहा था कि इसी दौरान सांसद रूप कुमारी चौधरी ने कड़ी आपत्ति जताते हुए बैठक में नाराजगी जाहिर की। उन्होंने अफसरों पर आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लिए बिना कार्य आबंटन किया जा रहा है। सांसद ने बैठक में यहां तक पूछ लिया कि जिन कार्यों को स्वीकृति दी गई, वे आखिर किस समिति के अनुमोदन से पारित हुए। उनके तेवर देख बैठक का माहौल तनावपूर्ण हो गया। भाजपा विधायक रोहित साहू भी इस मुद्दे पर मुखर नजर आए। उन्होंने पेयजल संकट से निपटने के लिए प्रस्तावित व्यवस्थाओं की अनदेखी पर नाराजगी जताई। विधायक ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में बोर खनन के लिए 500 फीट खुदाई बताई जा रही है,जबकि कई स्थानों पर 700 फीट से अधिक खुदाई की आवश्यकता है। भारी क्षमता वाली मशीनें लगाने की मांग भी अनसुनी की गई, जिससे पेयजल समस्या जस की तस बनी हुई है। जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर ने भी आदिवासी बहुल गांवों की सड़क और पुल कनेक्टिविटी की मांगों की अनदेखी का मुद्दा उठाया। बैठक में कलेक्टर भगवान सिंह उइके, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। जनप्रतिनिधियों की तीखी प्रतिक्रिया के बीच बैठक का माहौल असहज हो गया। सूत्रों के मुताबिक, डीएमएफ के लगभग 22 करोड़ रुपये के बजट में से अब तक करीब 7 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत और निष्पादित किए जा चुके हैं। इनमें बोर खनन, शौचालय निर्माण, स्प्रिंकलर और पावर स्पेयर जैसे कार्य शामिल हैं। आरोप यह भी है कि जेम पोर्टल की आड़ में कुछ बड़े कार्यों की मंजूरी और आवंटन में प्रभावशाली हस्तक्षेप रहा, जबकि समिति सदस्यों की प्राथमिकताओं को अपेक्षित महत्व नहीं मिला। हालांकि जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर ने स्वीकार किया कि जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुरूप कार्यों को मंजूरी नहीं मिलने से नाराजगी की स्थिति बनी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके कार्यकाल में अब तक इस मद से कोई नया कार्य स्वीकृत नहीं हुआ है। बजट शेष है और आगामी दिनों में मांग के अनुरूप कार्यों को स्वीकृति देने की बात कही गई है। कलेक्टर भगवान सिंह उइके से पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया,लेकिन कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। वहीं सांसद रूप कुमारी चौधरी की प्रतिक्रिया के लिए भी प्रयास किए गए।

'सौगात' पर कांग्रेस के बयान से बिफरे डिप्टी सीएम साव,कहा... जिस पार्टी ने किसानों को ठगा,वो किस मुंह से कर रही है बात...

रायपुर,03 मार्च 2026। धान की अंतर राशि को सौगात बताए जाने पर कांग्रेस ने तंज कसते हुए इसे किसानों को प्रति एकड़ 3000 रुपए चूना लगाने वाला बताया है। इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस पार्टी ने किसानों को ठगा, वो किस मुंह से बात कर रही है। कांग्रेस के मापदंड समय के साथ बदलते रहे हैं। इसी नीति ने कांग्रेस को गर्त में डालने का काम किया है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव मंगलवार को मीडिया से रु-ब-रू हुए। इस दौरान उन्होंने धान के अंतर की राशि को लेकर कांग्रेस के बयान पर कहा कि दो साल का बोनस देने का वादा कांग्रेस ने किया था, उसको भी नहीं दिया। हमने वादा किया था कि कृषक उन्नत योजना की राशि एक साथ देंगे। और हमने धान खरीदी के बाद एक साथ राशि दिया है।

राज्यसभा प्रत्याशी चयन की चल रही प्रक्रिया

छत्तीसगढ़ से भाजपा से राज्यसभा प्रत्याशी के नाम को लेकर उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि पार्टी में प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया चल रही है। निर्धारित समय पर नाम और नामांकन होगा। स्थानीय प्रत्याशी की मांग पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अन्याय किया है। योग्य और अच्छा कार्यकर्ता भाजपा का होगा। सभी चीज पार्टी की पार्लियामेंट बोर्ड तय करती है। वहीं असम चुनाव को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि असम में ड्यूटी लगी है। भाजपा के कार्यकर्ता हैं,पार्टी जो-जो काम बताती है,उसे करते हैं। अन्य राज्यों के कार्यकर्ता भी हमारे राज्य में चुनाव में आते हैं। वहां के कार्यकर्ता के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। असम के लखीमपुर की जिम्मेदारी मिली है। आगे समीक्षा करके काम करना है। असम में इतिहास बनने वाला है।

प्रेम और सद्भाव के रंगों से सराबोर हो होली : सीएम साय

रायपुर, 03 मार्च 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कामना की है कि यह उल्लास, उमंग और आत्मीयता का महापर्व सभी के जीवन में सुख,शांति,समृद्धि और नई ऊर्जा का संचार करे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं,बल्कि यह आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे को सशक्त बनाने का अवसर है। यह पर्व समाज में समरसता, सद्भाव और एकता की भावना को प्रगाढ़ करता है तथा हमें सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में होली का विशेष महत्व है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय,अहंकार पर विनम्रता की जीत और वैमनस्य पर प्रेम की प्रधानता का संदेश देता है। होली के रंग हमें स्मरण कराते हैं कि विविधताओं से परिपूर्ण हमारे समाज की वास्तविक शक्ति परस्पर विश्वास,अपनत्व और सामूहिक सहयोग में निहित है। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस पर्व को हर्षोल्लास, संयम और पारंपरिक मर्यादाओं के साथ मनाएँ। प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दें तथा समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के साथ भी इस उत्सव की खुशियाँ साझा करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के रंगों से सजी यह होली छत्तीसगढ़ की एकता,सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

इंडिया स्किल 2025-26 में छत्तीसगढ़ को मिली ऐतिहासिक सफलता...

छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने ईस्ट जोन प्रतियोगिता में जीते 12 पदक,मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई...

रायपुर, 03 मार्च 2026। युवाओं की प्रतिभा, तकनीकी दक्षता एवं नवाचार क्षमता को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार का कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2025-26 में छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं ने ईस्ट ज़ोन रीजनल प्रतियोगिता में 12 पदक और 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस अर्जित कर उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। यह प्रतियोगिता क्रमशः चार चरणों में जिला, राज्य,रीजनल एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को वर्ल्ड स्किल्स इंटरनेशनल के अंतर्गत भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। राज्य सरकार कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए आधुनिक प्रशिक्षण,नवाचार और उद्योगोन्मुख पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दे रही है। यह सफलता सशक्त युवा, समृद्ध छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने ईस्ट ज़ोन प्रतियोगिता में जीते 12 पदकईस्ट जोन की रीजनल प्रतियोगिता का समापन 02 मार्च 2026 को भुवनेश्वर में हुआ, जिसमें ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ एवं अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने 59 कौशल श्रेणियों में भाग लिया। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक एवं 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस सम्मान अर्जित किए, जिनमें 01 स्वर्ण, 02 रजत, 05 कांस्य पदक तथा 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस शामिल हैं। डिजिटल इंटरैक्टिव मीडिया में सुनील कुमार पैतल ने स्वर्ण पदक, 3डी डिजिटल गेम आर्ट में खुशांक नायक, सीएनसी मिलिंग में पुष्कर सोनबर एवं सीएनसी टर्निंग में आत्माराम ने रजत पदक अर्जित कर राज्य को गौरवान्वित किया। इसी तरह सीएनसी मिलिंग में निखिल,इलेक्ट्रॉनिक्स में अभिषेक कुमार,प्लंबिंग एवं हीटिंग में रेशमान, वेब टेक्नोलॉजी में सतेंद्र कुमार ने कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। इसी तरह रेन्यूबल एनर्जी में नोहर लाल पटेल, मेकेनिकल इंजीनियरिंग में ओम बंजारे, हेल्थ एंड सोशल केयर में अंतरा मुखर्जी ने मेडल ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि राज्य में प्रतियोगिता का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा किया गया। 19 कौशल ट्रेड्स में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 3327 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 381 प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयनित हुए।

होली पर आज और कल जनजातीय संग्रहालय रहेगा बंद...

रायपुर,03 मार्च 2026। नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-24 में स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में बने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनाजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जनजातीय संग्रहालय होली पर्व के अवसर पर 04 और 05 मार्च को दो दिनों तक आगंतुकों हेतु बंद रहेगा। सरईकेरचा व्यपवर्तन एवं बरकेला जलाशय योजना के लिए 7.94 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा सरगुजा जिले के विकासखण्ड-मैनपाट की सरईकेरचा व्यपवर्तन योजना के नहर की जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग कार्य के लिए 2 करोड़ 95 लाख 91 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। योजना के प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण हो जाने पर रूपांकित सिंचाई क्षमता 414 हेक्टेयर के विरूद्ध 253 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। इसी तरह से विकासखण्ड-अंबिकापुर की बरकेला जलाशय योजना के बांध एवं नहर के नवीनीकरण कार्य के लिए 4 करोड़ 98 लाख 67 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। योजना के प्रस्तावित कार्य के पूर्ण होने पर रूपांकित सिंचाई क्षमता 251 हेक्टेयर के विरूद्ध 102 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)